संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-129 ■ रायपुर, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : एकादशी
नक्षत्र : आश्लेषा
प्रथम करण : बावा
द्वितीय करण : बालवा
पक्ष : कृष्ण
वार : मंगलवार
योग : सिद्ध
सूर्योदय : 06:16
सूर्यास्त : 17:54
चंद्रमा : कर्क राशि में
राहुकाल : 15:00 - 16:27
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:28

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में करोड़ों की गड़बड़ी, चार अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

बीजापुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के तहत बीजापुर जिले में सड़कों के निर्माण में अनियमितता और करोड़ों रुपए की गड़बड़ी के मामले में विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में चार अधिकारी-कर्मचारी को निलंबित किया गया है। PMGSY के ईई रूपेंद्र भूआर्य ने कहा कि अधिक रुपयों की भुगतान व सड़कों में अनियमितता को लेकर हमारे विभाग के चार अधिकारियों – कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई सरकार ने की है। अभी मामले की जांच जारी है। निलंबित लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले में जो भी ठेकेदार संलिप्त हैं, उन पर पैसा रिकवरी व FIR की कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। जानकारी के अनुसार तत्कालीन ईई सुरेश नागेश, एसडीओ मुविष लहरे, सुरेश बांदे एवं सतानंद महिकवार के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। बता दें कि पीएमजीएसवाय की विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं कार्यों में गुणवत्ता, भुगतान और अन्य अनियमितताओं को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। शिकायतों की जांच के बाद विभाग की ओर से की गई इस कार्रवाई को मामले में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पीएमजीएसवाय में हुई गड़बड़ियों को लेकर चार लोगों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई के बाद विभागीय कार्रवाई और जांच पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

यूपी राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी प्रत्याशियों का ऐलान

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश से आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने अनुभवी नेताओं और नए चेहरों के मिश्रण को प्राथमिकता दी है। घोषित उम्मीदवारों में धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं।

SING Forum 2026: छत्तीसगढ़ को मिले 43,250 करोड़ के FDI प्रस्ताव

सीएम साय ने सिंगापुर की कंपनी को सौंपा 'इन्वेस्टमेंट इनविटेशन लेटर'

रायपुर ■ दैनन्दिनी





छत्तीसगढ़ ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के वैश्विक नक्शे पर बड़ी दस्तक दी है। सिंगापुर में आयोजित पहले SING Forum 2026 में राज्य को कुल 43,250 करोड़ के FDI प्रस्ताव मिले, जिसमें 41,750 करोड़ का 100 मेगावाट हाइपरस्केल डेटा सेंटर शामिल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिंगापुर मुख्यालय वाली Energy Capital Global Pte Ltd को परियोजना के लिए औपचारिक 'Invitation to Invest' (निवेश आमंत्रण पत्र) सौंपा।

यह निवेश प्रस्ताव छत्तीसगढ़ के पारंपरिक औद्योगिक आधार से आगे बढ़कर डेटा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और नई प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इतनी बड़ी डेटा सेंटर परियोजना से राज्य की डिजिटल क्षमता बढ़ने के साथ नई तकनीकी कंपनियों और निवेशकों के लिए भी अवसर बढ़ सकते हैं।

SING Forum में मिले निवेश प्रस्तावों से छत्तीसगढ़ में निवेश को लेकर अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के बढ़ते भरोसे का संकेत मिलता है। 43,250 करोड़ के ये प्रस्ताव राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि हैं और डिजिटल क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनाने की दिशा में अहम कदम माने जा रहे हैं।

ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

नई दिल्ली ■ एजेंसी



मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तत्काल अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने मामले में केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाओं में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) से जुड़े फैसलों और चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं। पीठ ने CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर एक अन्य याचिका के साथ इस मामले को भी जोड़ दिया।

कोर्ट ने फिलहाल CEC को निलंबित करने या उनकी शक्तियां वापस लेने संबंधी कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया। अदालत ने पहले संबंधित पक्षों का जवाब और रिकॉर्ड देखने की जरूरत बताई।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने दलील दी कि 2023 के कानून के बाद चुनाव आयोग की निर्णय प्रक्रिया को लेकर कुछ अंतरिम उपाय जरूरी हैं। उन्होंने सुनवाई पूरी होने तक CEC ज्ञानेश कुमार की शक्तियां निलंबित करने या उनसे वापस लेने की मांग की।

वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने दावा किया कि SIR से जुड़े फैसलों और मतदाताओं के अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की निर्णय प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर राष्ट्रीय चिंतन शिविर में हुए शामिल



रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव गुजरात के नर्मदा में आज से शुरू हुए सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में शामिल हुए। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा "गतिशक्ति से प्रगति" थीम पर इसका आयोजन किया गया है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने चिंतन शिविर का शुभारंभ किया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा भी इस दौरान मौजूद थे। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के मंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ एवं नीति निर्माता इस राष्ट्रीय चिंतन शिविर में भागीदारी कर रहे हैं।

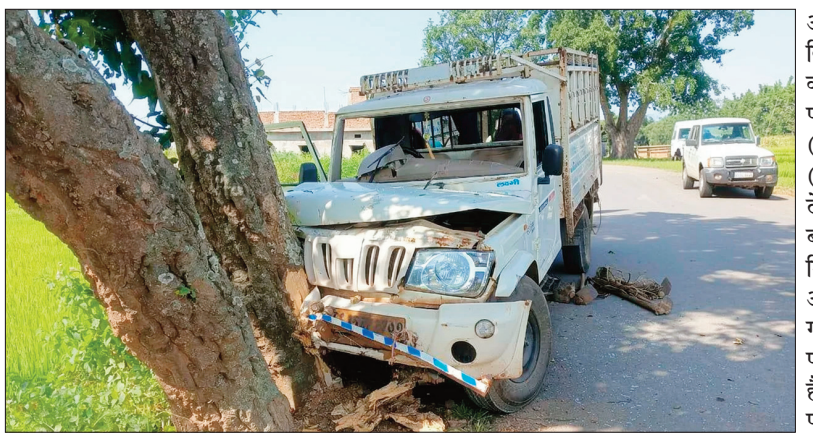
महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, 16 अक्टूबर से 10% पानी की कटौती लागू

मुंबई (एजेंसी)। कम मानसून और अल-नीनो के प्रभाव के साथ सूखे जैसे हालात की आशंका को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में पानी की कटौती लागू करने का फैसला किया है। राज्य के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को कहा कि 16 अक्टूबर 2026 से सभी ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू की जाएगी। इसमें सभी महानगरपालिकाएं, नगरपालिकाएं और ग्राम पंचायतें शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले मुंबई में 15 मई से 10% पानी कटौती लागू करने का फैसला लिया गया था।

जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन के मुताबिक, जल संसाधन विभाग ने राज्य में उपलब्ध पानी के भंडार का बांधवार और उपयोगिता के आधार पर विस्तृत नियोजन किया है।

पेड़ से टकराई पिकअप, 2 की मौत, 9 गंभीर रूप से घायल

बलरामपुर ■ एजेंसी



छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में पिकअप सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि पिकअप में करीब 20 लोग सवार थे। यह हादसा करौंधा थाना क्षेत्र में हुआ है। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घायलों में से 9 लोगों को गंभीर हालत के चलते बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान सुरजमणि पति बालेश्वर (40 वर्ष) और किरण पति कपिल (30 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों देवरी, थाना करौंधा के निवासी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

नावों की टक्कर में कम से कम 30 लोगों की मौत; दर्जनों लापता



कांगो ■ एजेंसी

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में कांगो नदी पर रविवार को दो मोटर चालित लकड़ी की नावों के बीच हुई भीषण टक्कर में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को हादसे की जानकारी दी। बीते महीने, कांगो के बकावु शहर में 2 स्कूलों में भीषण आग लगने से कम से कम 26 छात्रों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हो गए। मृतकों में 19 लड़कियां और 7 लड़के थे।

इक्वेटर प्रांत के प्रांतीय गृह मंत्री क्रिस्पिन मपुतु के मुताबिक, यह नाव हादसा नगोंबे-लुकोलेला इलाके के पास हुआ। दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। मपुतु ने बताया कि हादसे में मारे गए 30 लोगों को दफना दिया गया है। दुर्घटना के बाद लापता लोगों की तलाश और संभावित जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए अभियान जारी है।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

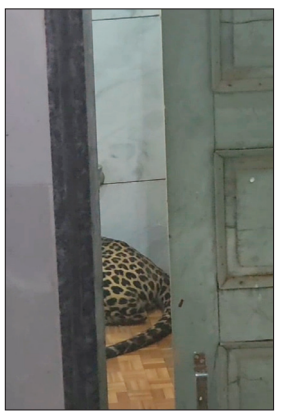
अधिकारियों के अनुसार, एक नाव उत्तर-पश्चिमी इलाके उबांगी से राजधानी किंशासा की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी नाव किंशासा से लुकोलेला जा रही थी। दोनों नावों की टक्कर उस क्षेत्र के पास हुई, जहां से लुकोलेला पहुंचा जाता है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई लोग अभी भी लापता हैं। राहत और बचाव दल कांगो नदी में खोज अभियान चला रहे हैं। एक सुरक्षा बल के सदस्य, जिन्होंने नदी किनारे से इस हादसे को होते हुए देखने का दावा किया, ने बताया कि उबांगी से लौट रही नाव सामान से ओवरलोड थी।

जंगल से भटकर कवर्धा शहर पहुंचा तेंदुआ

वन विभाग की टीम ने किया सफल रेस्क्यू

-विकाश शुक्ला





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। रात के अंधेरे में जंगल से भटककर शहर पहुंचा तेंदुआ सड़कों पर विचरण करते हुवे शहर के मध्य में स्थित स्नेहा हॉस्पिटल में जा घुसा और वहाँ मरीज से मिलने आये एक महिला परिजन के ऊपर हमला भी किया। तेंदुआ हॉस्पिटल से भागने का असफल प्रयास भी किया । लेकिन हॉस्पिटल के बाहर खड़े लोगों के हुजूम और शोर शराबे को सुनकर काफी दहशत में आ गया और हॉस्पिटल के महिला शौचालय में जाकर चुपचाप दुबक गया। महिला शौचालय में तेंदुआ पाए जाने की सूचना पर वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सफल रेस्क्यू अभियान संचालित किया। वन मंडल अधिकारी निखिल अग्रवाल के नेतृत्व में वन विभाग की टीम, पुलिस विभाग तथा बिलासपुर से आए विशेषज्ञों एवं पशु चिकित्सकों के समन्वित प्रयासों से तेंदुए को सुरक्षित निकाला गया।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम

सुबह लगभग 10 बजे घटना की सूचना प्राप्त हुई। इस दौरान तेंदुए के हमले से एक महिला को चोटें आईं, जिनका उपचार कराया गया। प्रभावित महिला को वन विभाग द्वारा नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग से परिसर में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि की गई।

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था के साथ शुरू हुआ रेस्क्यू

सूचना मिलते ही वन मंडल अधिकारी निखिल अग्रवाल के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची। वन एवं पुलिस विभाग ने मिलकर भीड़ को नियंत्रित किया तथा लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की समझाइश दी। तेंदुए को सुरक्षित निकालने के लिए बिलासपुर से विशेषज्ञों एवं पशु चिकित्सकों की टीम बुलाई गई।

दोपहर 2:55 बजे तेंदुए को किया गया ट्रैंक्विलाइज़

विशेषज्ञ टीम ने परिस्थितियों का आकलन करने के बाद दोपहर लगभग 2:55 बजे ट्रैंक्विलाइज़र डार्ट की सहायता से तेंदुए को बेहोश किया। इसके बाद उसे सावधानीपूर्वक सुरक्षित पिंजरे में रखकर लालपुर नर्सरी ले जाया गया। रेस्क्यू किया गया तेंदुआ नर है, जिसकी अनुमानित आयु लगभग छह वर्ष है।

उपचार के बाद भोरमदेव अभयारण्य में सुरक्षित छोड़ा गया

लालपुर नर्सरी में पशु चिकित्सकों द्वारा तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार किया गया। इसके बाद शाम लगभग 6 बजे उसे भोरमदेव अभयारण्य में सुरक्षित छोड़ दिया गया। वन विभाग की तत्परता, पुलिस विभाग के सहयोग और विशेषज्ञ दल की कुशल कार्यवाही से रेस्क्यू अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वनमंडल अधिकारी निखिल अग्रवाल ने लोगो से अपील की है कि वन्यजीव दिखाई देने पर उसके समीप न जाएँ, भीड़ एकत्र न करें और तत्काल वन विभाग को सूचना दें। नागरिकों का सहयोग जनसुरक्षा एवं वन्यजीवों के सुरक्षित रेस्क्यू में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्कूल में मधुमक्खियों के काटने से 10 बच्चे घायल, 2 की हालत गंभीर



बलरामपुर (एजेंसी)। जिले के विजयनगर हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना में करीब 10 बच्चे घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, बच्चे स्मार्ट क्लास में पढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान मधुमक्खियों का झुंड अचानक क्लासरूम में घुसा और बच्चों को काटना शुरू कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से कई बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायल बच्चों को तत्काल सिविल अस्पताल रामानुजगंज ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि 2 बच्चों की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर करने की तैयारी की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। स्कूल में मधुमक्खियों के झुंड के पहुंचने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग की ओर से बच्चों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

'दृश्यम 3' बनी अजय देवगन की टॉप फिल्म, 'सिंघम अगेन' को दी टक्कर, ओपनिंग वीकेंड पर ही कमा लिए 176 करोड़



मुंबई (एजेंसी)। अजय देवगन की 'दृश्यम 3' को लेकर फैंस के अंदर पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा था। रिलीज से पहले ही इस सस्पेंस-थ्रिलर ने एडवांस बुकिंग में जबरदस्त कलेक्शन कर लिया था और अब रिलीज के बाद भी ये बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई करती दिख रही है। गांधी जयंती के मौके पर यानी 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनर साबित हुई। पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 62 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। दूसरे दिन फिल्म की कमाई में कुछ गिरावट देखने को मिली, लेकिन तीसरे दिन फिर ये उठ गई और अब तीन ही दिनों में ये वर्ल्डवाइड 300 करोड़ के नजदीक पहुंच गई है।

अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यम 3' के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन 62 करोड़ नेट कलेक्शन किया था और इसकी ग्रॉस कमाई 80 करोड़ रही। वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 53.50 करोड़ कमाए और तीसरे दिन 61 करोड़ का कलेक्शन किया। अपने ओपनिंग वीकेंड पर ही 176.50 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है, जबकि फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 211.80 करोड़ है। वहीं फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो 61 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन के साथ कलेक्शन 61 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन के साथ 272.80 करोड़ कमाई कर ली है।

सिंघम अगेन को टक्कर दे रही दृश्यम 3

अजय देवगन की टॉप ग्रॉसिंग फिल्मों की बात करें तो 'सिंघम अगेन' 402.26 करोड़ के साथ टॉप पर है और दूसरे नंबर पर 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' है, जिसने 364.81 करोड़ कमाए।

लेकिन, अब 'दृश्यम 3' अजय देवगन की टॉप फिल्म बनने की तैयारी में दिख रही है। फिल्म 3 ही दिनों में बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 300 करोड़ के नजदीक पहुंच गई है। वहीं तीसरे दिन के कलेक्शन की बात करें तो 'दृश्यम 3' तो तगड़े अंतर से मात दे चुकी है। सिंघम अगेन ने तीसरे दिन जहां 35.75 करोड़ कमाए थे तो वहीं दृश्यम 3 ने 61 करोड़ का कलेक्शन किया।

'दृश्यम 3' के बारे में

'दृश्यम 3' की बात करें तो ये 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी दृश्यम 3 में अजय देवगन एक बार फिर विजय सलगांवकर की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

उनके साथ फिल्म में तब्बू, श्रेया सरन, इशिता दत्ता, रजत कपूर और मृणाल जाधव ने अपनी-अपनी भूमिकाओं में वापसी की है। वहीं जयदीप अहलावत और प्रकाश राज भी इस भाग से जुड़े हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और जबरदस्त ओपनिंग वीकेंड के बाद अब सबकी नजर इसके मंडे कलेक्शन पर टिकी है।

कानपुर में एल्विश यादव के कार्यक्रम में हंगामा, फैन ने स्टेज पर पहुंचकर खींची जैकेट, मंच से गिरा दोस्त



कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के मोतीझील स्थित लाजपत भवन ग्राउंड में रविवार को आयोजित डांडिया नाइट उस वक्त सुर्खियों में आ गई, जब कार्यक्रम के दौरान अचानक सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े हो गए। कार्यक्रम में रैपर-सिंगर और यूट्यूबर एल्विश यादव की मौजूदगी को लेकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह था। बड़ी संख्या में लोग उन्हें देखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। हालांकि, इसी दौरान स्टेज के आसपास धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना से जुड़े कुछ वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

वायरल हो रहे एक वीडियो में नजर आ रहा है कि कार्यक्रम के दौरान एक शख्स भीड़ से निकलकर सीधे स्टेज तक पहुंच जाता है। वहां पहुंचने के बाद वह एल्विश यादव के पीछे जाता है और उनकी जैकेट खींच देता है।

अचानक हुई इस हरकत से मंच पर मौजूद लोग कुछ पल के लिए हैरान रह जाते हैं। इसके बाद स्टेज के आसपास हलचल बढ़ जाती है और भीड़ को संभालने की कोशिश शुरू हो जाती है। इसी अफरा-तफरी के बीच एल्विश यादव के साथ मंच पर मौजूद उनके एक दोस्त का संतुलन बिगड़ जाता है और वह स्टेज से नीचे गिर जाते हैं। वीडियो में घटना के दौरान मंच के आसपास काफी भीड़ और लोगों के बीच धक्का-मुक्की दिखाई दे रही है। हालांकि, इस घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

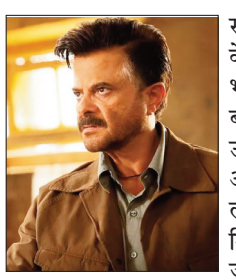
घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा सुरक्षा इंतजामों को लेकर हो रही है। लोग सवाल कर रहे हैं कि इतनी बड़ी भीड़ के बीच एक व्यक्ति आखिर स्टेज तक कैसे पहुंच गया। इतना ही नहीं, वह कलाकार के इतने करीब जाकर उनकी जैकेट भी खींचने में कामयाब रहा। कार्यक्रम के दौरान मंच से एंकर प्रतीक त्रिवेदी और एंकर शीतल मागर भीड़ से लगातार शांति बनाए रखने की अपील करते नजर आए। इसके बावजूद कुछ समय के लिए स्थिति असहज होती दिखाई दी। वायरल वीडियो ने आयोजन स्थल पर स्टेज की सुरक्षा और भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था को लेकर बहस छेड़ दी है। कार्यक्रम में शामिल हुए कुछ दर्शकों ने आयोजन की व्यवस्थाओं पर असंतोष जताया।

कैंची धाम में उमड़ा भक्तों का सैलाब, 'हनुमान अंश' के डायरेक्टर को सताई चिंता, श्रद्धालुओं के लिए शेयर किया जरूरी वीडियो



मुंबई (एजेंसी)। लेखक, निर्देशक विशाल चतुर्वेदी इन दिनों अपनी फिल्म 'हनुमान अंश' को लेकर छाए हुए हैं। उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कहर बनकर बरस रही है। फिल्म को रिलीज हुए 2 महीने होने वाले हैं और अब भी दर्शकों में इस फिल्म का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। इस बीच नीम करोली बाबा के आश्रम कैंची धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर पर लॉन्ग वीकेंड के चलते शुक्रवार से रविवार के बीच कैंची धाम आश्रम में अथाह भीड़ जुट गई, जिसे देखने के बाद विशाल चतुर्वेदी ने वीडियो शेयर करते हुए श्रद्धालुओं से खास अपील की है। विशाल चतुर्वेदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कैंची धाम पहुंच रहे श्रद्धालुओं से जरूरी अपील की है। वीडियो में उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि क्या लोग 'हनुमान अंश' देखने के बाद लोग 'कैंची धाम' पहुंच रहे हैं? उन्होंने कैंची धाम पहुंच रहे श्रद्धालुओं को कुछ जरूरी संदेश दिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कैंची धाम जाने से पहले वहां की परिस्थिति के बारे में जरूर पता कर लेना चाहिए। विशाल चतुर्वेदी ने वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'नमस्कार जय सीताराम मैं डॉक्टर विशाल द्विवेदी, 'हनुमान फिल्म' का राइटर हूं। इस समय कैंची धाम में बहुत ज्यादा भीड़ हो रही है। बहुत सारे लोगों का ये कहना है कि 'हनुमान अंश' फिल्म देखने के बाद वहां लोग पहुंच रहे हैं, जिसके चलते भीड़ इकट्ठी हो गई है।

अनिल कपूर की 'सुबेदार' ने बढ़ाया देश का मान, एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स में बेस्ट फीचर फिल्म का जीता खिताब



मुंबई (एजेंसी)। अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' को 'एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स' में अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है और इसने भारत की ओर से 'बेस्ट फीचर फिल्म' का सम्मान जीता है। वहीं अनिल कपूर को 'सूबेदार अर्जुन मौर्य' के किरदार के लिए 'बेस्ट एक्टर इन ए लीडिंग रोल' कैटेगरी में भी नॉमिनेशन मिला है। इस सम्मान के साथ 'सूबेदार' को पूरे एशिया के विजेताओं के साथ जगह मिली है। जैकी चैन की फिल्म 'द शैडो एज' 'बेस्ट फीचर फिल्म' कैटेगरी में चीन का प्रतिनिधित्व कर रही है। वहीं 'सूबेदार' के लिए अनिल कपूर को 'बेस्ट एक्टर' का नॉमिनेशन मिला। 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य का किरदार निभाया है, जो एक रिटायर्ड और अनुभवी सैनिक है। वह आम जिंदगी में ढलने की कोशिश कर रहा है। साथ ही सामाजिक अन्याय और अपनी बेटी के साथ बिगड़े रिश्तों का भी सामना कर रहा है। इस रोल के लिए अनिल कपूर को शारीरिक रूप से मुश्किल एक्शन सीन और अपने परिवार की इज्जत के लिए लड़ रहे एक पिता के भावनात्मक सफर के बीच संतुलन बनाना था। उनके काम की वजह से उन्हें 'एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स' में 'बेस्ट एक्टर इन ए लीडिंग रोल' के लिए नॉमिनेशन मिला है। यह उनके चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में एक और इंटरनेशनल पहचान है। यह सम्मान मिलने पर एक्टर ने खुशी जाहिर की और उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे अपने करियर का एक खास पल बताया। उन्होंने लिखा,'मेरे सफर का एक बहुत ही खास पल। @asianacademycreativeawards में 'सूबेदार' के लिए बेस्ट एक्टर इन ए लीडिंग रोल के तौर पर नॉमिनेट होकर और भारत का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पूरी टीम और उन सभी लोगों का आभारी हूं, जिन्होंने इस फिल्म को सपोर्ट किया है।'

सेहत

डायबिटीज या बैड कोलेस्ट्रॉल है तो अमरूद खाते समय रखें इन बातों का ध्यान



डायबिटीज के मरीजों को अक्सर फलों में अमरूद खाने की सलाह दी जाती है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है जो ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने से रोकता है। वहीं, फाइबर और पोटेशियम से भरपूर होने की वजह से यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में भी मददगार माना जाता है। लेकिन न्यूट्रिशनिस्ट और वेट लॉस कोच लीमा महाजन के मुताबिक, डायबिटीज और कोलेस्ट्रल में फायदेमंद होने के बाद भी अमरूद का सेवन सही तरीके से करना जरूरी है वरना फायदे की जगह आपको नुकसान हो सकता है। तो चलिए जानते हैं आखिर अमरूद खाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

किस तरह से खाना हो सकता है नुकसानदायक?

पके हुए अमरूद को आप छिलके के साथ या बिना पील किए खाने से बचना चाहिए। पके हुए अमरूद के छिलके में मैग्निशयम की मात्रा कम होने लगती है और शुगर की मात्रा बढ़ने लगती है। कोच लीमा महाजन कहती हैं, कि एक छह हफ़्तों की स्टडीज के मुताबिक, जिन लोगों में पके हुए अमरूद को छीलकर नहीं खाया उनका फास्टिंग शुगर, बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइडसब बढ़ा हुआ था। वहीं, जिस ग्रुप ने अमरूद को छीलकर खाया उनके ये सब पैरामीटर्स कम हुए।

क्या है खाने का का सही तरीका?

लीमा महाजन कहती हैं, कि अगर आपको डायबिटीज है या आपका बैड कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ा हुआ है तो अपनी डाइट में थोड़े कच्चे अमरूद को शामिल करें। अगर आप पका हुआ अमरूद खाना चाहते हैं तो उसे छीलकर ही उसका सावन करें।

अमरूद खाने से मिल सकते हैं कौन से फायदे

अमरूद सिर्फ डायबिटीज में ही फायदेमंद नहीं है बल्कि इसका सेवन करने से आपकी ओवरऑल हेल्थ को फायदा होता है। फाइबर से भरपूर अमरूद का सेवन करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है साथ ही कब्ज और ब्लोटिंग जैसी समस्याओं में आराम मिलता है। अमरूद एंटी ऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी से भरपूर होता है जो आपकी इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ कोशिकाओं को नुकसान होने से भी बचाता है। साथ ही इसमें मौजूद विटामिन सी त्वचा में कोलेजन को बूस्ट करने में फायदेमंद है।

बच्चों में क्यों बढ़ रही फैटी लिवर की समस्या?

बच्चों में फैटी लिवर की समस्या अब तेजी से सामने आ रही है और इसका सबसे बड़ा कारण बदलती लाइफस्टाइल है। पहले फैटी लिवर को आम तौर पर वयस्कों की समस्या माना जाता था, लेकिन आज कम उम्र के बच्चों में भी इसके मामले देखे जा रहे हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बच्चों में फैटी लिवर की समस्या क्यों बढ़ते जा रही है। डॉ. रमेश गर्ग, सीनियर डायरेक्टर और HOD, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, फ़ोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग़ बता रहे हैं कि बच्चों में क्यों फैटी लिवर के मामले बढ़ते जा रहे हैं। चलिए जानते हैं।

बच्चों में फैटी लिवर का प्रमुख कारण अधिक वजन और मोटापा है। जब बच्चे की डाइट में लगातार ज्यादा कैलोरी, चीनी और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट शामिल होते हैं और फिजिकल एक्टिविटी कम होती है, तो शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने लगता है। इसका असर लिवर पर भी पड़ता है और लिवर सेल्स में अतिरिक्त चर्बी जमा हो सकती है। जंक फूड, पैकेज्ड स्नैक्स, मीठे पेय पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक्स, ज्यादा चीनी वाली चीजें और बार-बार बाहर का खाना इस समस्या का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही मोबाइल, टीवी और वीडियो गेम के कारण बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ना और खेलकूद या आउटडोर एक्टिविटी कम होना भी एक महत्वपूर्ण कारण है। कुछ बच्चों में जेनेटिक कारणों की वजह से भी ये समस्या होती है।

शुरुआती फैटी लिवर में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते। कुछ बच्चों में थकान, पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में हल्की परेशानी या वजन बढ़ने जैसी समस्याएं दिखाई दे सकती हैं। लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इसका पता लगाना मुश्किल है। यह समझना जरूरी है कि हर मोटे बच्चे को फैटी लिवर नहीं होता और हर फैटी लिवर वाला बच्चा मोटा हो, यह भी जरूरी नहीं है। लेकिन ज्यादा वजन, पेट के आसपास ज्यादा चर्बी और खराब खान-पान वाले बच्चों में इसका जोखिम ज्यादा रहता है।

फैटी लिवर से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है बच्चों को घर का खाना दें, मीठे और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का सेवन कराने से बचाएं। **(एजेंसी)**

पेट में बनते हैं गैस के गोले, इन आसान घरेलू उपाय से मिल सकता है छुटकारा

खाना खाने के बाद गैस बनाना सामान्य बात है, लेकिन कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा गैस बनती है। ऐसे में पेट दर्द, बेचैनी, मरोड़ और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। कई बार गैस के कारण बैठना भी मुश्किल हो जाता है। अगर गैस लॉक हो जाए तो परेशानी और बढ़ जाती है। गैस की समस्या में राहत पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय असरदार काम करते हैं, इससे तुरंत राहत मिल सकती है। आचार्य बाल कृष्ण ने बताया गैस दूर करने के आयुर्वेदिक उपचार क्या हैं?

गैस दूर करने के घरेलू उपाय

अजवाइन- पेट में गैस होने पर अजवाइन असरदार काम करती है। जब पेट में भारीपन, गैस और आंतों में ऐंठन हो तो एक छोटा चम्मच अजवाइन और उसमें थोड़ा काला नमक डालकर खा लें। गर्म पानी के साथ अजवाइन खाने पर गैस की समस्या कम होती है। बच्चों को भी अजवाइन खिला सकते हैं।

हरड़- गैस की समस्या दूर करने के लिए हरड़ को असरदार इलाज माना जाता है। हरड़ को शहद के साथ मिलाकर खाने से गैस, एसिडिटी और वायु की समस्या में आराम मिलता है।

काला नमक- पेट फूलने और गैस बनने पर काला नमक भी असरदार होता है। आप इसके लिए थोड़ी अजवायन, जीरा, छोटी हरड़ और काला नमक को बराबर-बराबर ले लें और पीस लें। बड़े लोग 2-6 ग्राम चूर्ण का सेवन करें और बच्चों को थोड़ी कम मात्रा में खिलाएं। इसके बाद गुनगुना पानी पी लें।

अदरक- पेट में गैस की समस्या हो तो अदरक खाना अच्छा माना जाता है। इसके लिए अदरक के टुकड़े पर नमक छिड़क कर दिन में 2-3 बार खाएं। इससे गैस की समस्या में छुटकारा मिल सकता है।

काली मिर्च और सूखी अदरक- गैस होने पर काली मिर्च और सूखी अदरक भी फायदेमंद होती है। इसके लिए 1 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच सूखी अदरक और 1 चम्मच इलायची को पीसकर मिक्स कर लें। अब खाना खाने के 1 घंटे के बाद आधा चम्मच पानी के साथ ले लें।

जब आप लगातार कम सोते हैं तो इससे दिमाग पर कैसा असर पड़ता है? जानें एक्सपर्ट की राय



अगर आप रोजाना कम नींद लेते हैं या आधी रात तक जागते हैं तो हो सकता है कि शुरुआत में आपको कोई संकेत न दिखाई दें। लेकिन ये आदत धीरे धीरे दिमाग को कमजोर कर रही होती है। दरअसल, कम नींद की वजह से सिर्फ़ दिमाग थकता नहीं है, बल्कि उसकी काम करने की क्षमता भी कम हो जाती है। नोएडा स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट एवं यूनिट हेड, डॉक्टर नेहा पंडिता, कहती हैं कि नींद के दौरान दिमाग़ जानकारी को प्रोसेस करता है, यादों को पक्का करता है और फ़ैसले लेने की क्षमता को कंट्रोल करने वाले सिस्टम को ठीक रखता है। लेकिन जब आप लगातार नींद कम लेते हैं तो इससे आपके दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ने लगता है।

कम नींद लेने से दिमाग पर कैसा असर पड़ता है?

ध्यान देने की क्षमता पर असरः कम नींद लेने से सबसे पहले ध्यान देने की क्षमता पर असर पड़ सकता है। नींद की कमी वाले लोगों में ध्यान बनाए रखना और लगातार सही प्रतिक्रिया देना मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आप रोज़मर्रा के काम तो पूरे कर लें, लेकिन आपका ध्यान आसानी से भटक सकता है। इस स्थिति में कोई व्यक्ति काम करने में खुद को सक्षम महसूस कर सकता है, लेकिन सामान्य से ज़्यादा छोटी-छोटी गलतियां कर सकता है।

हर समय चिड़चिड़ापन महसूसः कई रातों तक ठीक से न सो पाने के बाद, छोटी-सी बात में भी लोग ज़्यादा परेशान हो सकते हैं। नींद की कमी से भावनाओं को संभालने की क्षमता पर असर पड़ सकता है, जिससे लोग ज़्यादा चिड़चिड़े या कम सब्र वाले हो सकते हैं। यानी कभी-कभी जिसे हम "खराब मूड" कहते हैं, वह असल में दिमाग का बिना ठीक से आराम किए काम करते रहने का नतीजा होता है।

ठीक से कोई भी निर्णय नहीं ले पानाः कम नींद की वजह से आपके फ़ैसले लेने की क्षमता में भी बदलाव देखा जा सकता है। जब दिमाग को पूरी नींद नहीं मिलती, तो सही फ़ैसला लेने, समस्या सुलझाने और सोचने-समझने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।

कितनी नींद है ज़रूरी?

डॉक्टर नेहा पंडिता कहती हैं कि नींद को काम और जागने के बीच का बचा हुआ समय नहीं समझना चाहिए। यह वह समय है जब दिमाग अगले दिन के काम के लिए खुद को तैयार करता है।

इसलिए वयस्कों के लिए आम तौर पर सात या उससे ज़्यादा घंटे की नींद की सलाह दी जाती है, हालाँकि हर व्यक्ति की ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं। नींद का रेगुलर होना और उसकी क्वालिटी भी मायने रखती है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 7 अक्टूबर से

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव 7 अक्टूबर को 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन समारोह सुबह 10.30 बजे स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में आयोजित होगा। जिले में 7 से 10 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्कूली खिलाड़ी तीरंदाजी, हॉकी और कबड्डी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, मस्तूरी विधायक श्री दिलीप लहरिया, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, बिलासपुर महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। श्री दीपक सिंह ठाकुर एवं श्री मोहित जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता के अंतर्गत तीरंदाजी में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका, हॉकी में 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका तथा कबड्डी में 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक हिस्सा लेंगे।

मवेशियों से टकराई बाइक, गिरने से युवक की मौत

महासमुंद। सड़क पर बैठे मवेशियों से टकराने के बाद बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे डायल-112 की मदद से तुमगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच के बाद तुमगांव पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम भोरिंग निवासी मोहन यादव (27) 30 सितंबर को बाइक क्रमांक सीजी 06 डीजी 9853 से पेट्रोल भरवाने की बात कहकर घर से निकला था। समोदा से वापस भोरिंग लौटते समय रात करीब 9.45 बजे भोरिंग पेट्रोल पंप के पहले सड़क पर बैठे मवेशियों से उसकी बाइक टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और मोहन गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम उसे सीएचसी तुमगांव लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में धारा 106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, चालक घायल

महासमुंद। एनएच-53 पर काष्ठागार कोडार के पास गलत दिशा से आ रही अज्ञात कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक घायल हो गया। घटना के बाद इलाज कराने के उपरांत पीड़ित ने तुमगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम पट्टी नंबर-02 बांसकुड़ा निवासी टीकाराम पटेल 13 सितंबर को बाइक क्रमांक सीजी 06 जीटी 0597 से तुमगांव से चावल लेकर अपने घर बांसकुड़ा जा रहा था।

जगदलपुर के जिला स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री, हितग्राहियों को मिले योजनाओं के लाभ

शांति, सुरक्षा और समृद्धि की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा बस्तर : विजय शर्मा

रायपुर ■ दैनन्दिनी



उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर अंचल नक्सलवाद के लंबे और काले दौर से निकलकर अब शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी हिंसा और भय से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज शासन की योजनाएं और सेवाएं पहुंच रही हैं। विकास के साथ लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का नया वातावरण बन रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा आज जगदलपुर के पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा एक ही स्थान पर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ पात्र हितग्राहियों को वित्तीय सहायता, अधिकार अभिलेख, प्रमाण पत्र और विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

हिंसा के जख्मों पर सेवा और संवेदना का मरहम

शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मां दंतेश्वरी की कृपा और शासन-प्रशासन के साझा प्रयासों से बस्तर में माओवादी हिंसा समाप्ति की ओर है। क्षेत्र में अब भय के स्थान पर विश्वास और हिंसा के स्थान पर विकास एवं सेवा का नया सवेरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने नक्सली हिंसा और आईईडी विस्फोटों से प्रभावित आम नागरिकों एवं सुरक्षा जवानों के पुनर्वास का उल्लेख करते हुए कहा कि तीन दिवसीय विशेष शिविर के माध्यम से पीड़ितों और दिव्यांगजनों को उच्च गुणवत्ता वाले कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण शत-प्रतिशत निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस पहल से जुड़े एक भावुक प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि कृत्रिम हाथ लगने के बाद एक हितग्राही ने उसी हाथ से पानी की बोतल उठाकर पानी पिया। वर्षों बाद अपने हाथ से सामान्य काम कर पाने की यह खुशी बताती है कि ऐसी पहल किसी व्यक्ति के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकती है।

एक ही छत के नीचे मिला योजनाओं का लाभ

जिला स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में विभिन्न विभागों ने मौके पर ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्रदान किया। राजस्व विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन के अंतर्गत पांच बाढ़ प्रभावितों को कुल 6 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही 35 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए। श्रम विभाग द्वारा मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत एक हितग्राही को 20 हजार रुपए तथा मुख्यमंत्री मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत एक पात्र हितग्राही को एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।कृषि विभाग ने पांच किसानों को फसल बीमा प्रमाण पत्र और मत्स्य पालन विभाग ने तीन मत्स्य पालकों को जाल वितरित किए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदन कार्ड और पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर में 12 नागरिकों के आधार विवरण का अद्यतन करने के साथ जन्म एवं मृत्यु पंजीयन से संबंधित आवेदन भी लिए गए।

बस्तर में विकास की नई तस्वीर : महेश कश्यप

बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का सकारात्मक प्रभाव बस्तर में दिखाई दे रहा है। दशकों तक उग्रवाद के कारण बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे क्षेत्रों में अब सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था, निःशुल्क राशन, पक्के आवास, शौचालय सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। सेवा संकल्प शिविर के माध्यम से एक ही परिसर में विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय मौके पर ही समस्याओं के समाधान और योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

इस अवसर पर नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नागरिक उपस्थित थे।

पोल शिफ्टिंग के दौरान हादसा एक मजदूर की मौत, 1 घायल

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया मुख्य मार्ग में पोल शिफ्टिंग के दौरान हादसे में एक मजदूर की दर्दनाक मौत एवं एक मजदूर की घायल होने की जानकारी सामने आई है। आहत श्रमिक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम मामले को विवेचना में लिया।



मिली जानकारी के अनुसार नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सामने रविवार को सुबह 10,30 बजे के आसपास सम्बंधित विभाग द्वारा मशीन के द्वारा पोल की शिफ्टिंग की जा रही थी इसी दौरान पोल को निकालते समय हाइड्रा मशीन चला रहे आपरेटर द्वारा पोल को निकालते समय संतुलन बिगड़ गया! जिसकी चपेट में ओम सिंह 40 वर्ष गोंड पिता उधो गोंडउम्र 40 वर्ष निवासी रैतरा पोल की चपेट में आगया जिससे उसके सिर में गंभीर चोंट आ गई उसे प्रारंभिक उपचार के लिए सामुदायिकस्वास्थ्य केंद्र लोरमी में भर्ती किया जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं उनका एक श्रमिक झूमुक बैगा भी पोल की चपेट में आ गया जिससे उसके बांया पैर फ्रेकचर हो गया। जिसको प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय मुंगेली रेफर किया गया। गौरतलब है,की हादसा कैसे हुई इन परिस्थितियों में हुई और श्रमिक की मौत इस दौरान कैसे हुई यह जांच का विषय है, हादसा पर लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं, मामला जांच के बाद कि स्थिति स्प्ष्ट होगी।घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया गया,मामले मर्ग कायम कर पुलिस विवेचना में जुटी है।

बिना सुरक्षा कीट के कार्य कराते है श्रमिकों से

बड़ी बड़ी घटनाओं को देखते हुए निर्देश दिया जाता आ रहा है कि कोई भी कार्य हो श्रमिको के सुरक्षा व्यवस्था के साथ कार्य कराया जाए लेकिन देखने मे आता है कि ठेकेदार श्रमिकों के बिना सुरक्षा कीट पहनाए हुए कार्य कराया जाता है जिससे दुर्घटनाओं में मौत हो जाती है श्रमिकों को सुरक्षा कीट के साथ कार्य कराए जाने से बड़ी दुर्घटना टल सकता है लेकिन इस ओर को ध्यान नही दिया जाता है श्रमिक जान जोखिम में डालकर कार्य करते नजर आते है।

बिलासपुर की डॉ. कुमुदिनी पटेल को राष्ट्रीय 'वैद्य अनघा गोगटे युवा वैद्य पुरस्कार

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय आयुर्वेद औषधालय सिंघरी (बिल्हा)में पदस्थ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी पटेल को राष्ट्रीय 'वैद्य अनघा गोगटे युवा वैद्य पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया है। वैद्य गोगटे मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा 4 अक्टूबर को पुणे में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'मानस रोग 3.0' में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में डॉ. पटेल को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र, 20 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं पुष्पगुच्छ भेंट किया गया।



डॉ. पटेल का चयन आयुर्वेद चिकित्सा में निरंतर सेवा, विद्धकर्म एवं अग्निकर्म के माध्यम से दर्द प्रबंधन, ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा शोध एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में योगदान के आधार पर किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए वे देशभर से चयनित एकमात्र महिला आयुर्वेद चिकित्सक रहीं। डॉ. पटेल ने इस उपलब्धि को भगवान धन्वंतरि एवं अपने गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान समाज के अंतिम व्यक्ति तक आयुर्वेद चिकित्सा सेवा पहुंचाने के उनके संकल्प को नई ऊर्जा देगा। उनकी उपलब्धि पर जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर वाई एस ध्रुव सहित विभागीय अधिकारियों, साथी चिकित्सकों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

7 बल्क लीटर शराब एवं 150 किलो महुआ लाहन बरामद

मुंगेली। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी वृत्त मुंगेली द्वारा ग्राम केशरुवाडीह, थाना जरहागांव में कार्रवाई करते हुए अवैध महुआ शराब एवं महुआ लाहन बरामद किया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि टीम ने सूचना मिलने पर डिगेश कुमार पटेल के रिहायशी मकान एवं बाड़ी की विधिवत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बाड़ी में बने कमरे से 07 बल्क लीटर महुआ शराब बरामद की गई। इसके अलावा बाड़ी में जमीन में गाड़कर रखे गए 03 ड्रमों में भरा लगभग 150 किलोग्राम महुआ लहान भी बरामद किया गया। बरामद अवैध शराब एवं महुआ लहान के संबंध में आबकारी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण कायम किया गया।

सेवा सेतु शिविरों से जरूरतमंदों तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ : धरमलाल कौशिक

शासन की योजनाओं से आमजन के जीवन में आया बदलाव : भूपेंद्र सवन्नी

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद पंचायत बिल्हा के ग्राम हरदी में आज सेवा सेतु शिविर का आयोजन बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. रामकुमार कौशिक, उपाध्यक्ष श्री विक्रम सिंह ठाकुर, बिल्हा नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वंदना जेण्ड्रे, जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती यादव, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल भी शामिल हुए। विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनकी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए गए। शिविर में प्राप्त कुल 87 आवेदनों में से 44 का निराकरण किया गया। शिविर में हितग्राहियों को विभिन्न योजना अंतर्गत लाभान्वित किया गया।



विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आवास, रसोई गैस, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाएं लोगों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों को इन योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। श्री कौशिक ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनसेवा और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 'आशीर्वाद का दीया', आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम तथा विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में सेवा सेतु शिविरों से नागरिकों को उनके नजदीक शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर मिला है। शौचालय निर्माण से स्वच्छता के साथ गरिमा और जनधन खातों से बैंकिंग सुविधाओं तक लोगों की पहुंच बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से शिविर का लाभ उठाकर अपनी मांगें और समस्याएं संबंधित विभागों के समक्ष रखने का आग्रह किया। शिविर में मांगों से संबंधित 85 और शिकायतों से संबंधित 2 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मांगों से संबंधित 44 आवेदनों का निराकरण किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच श्री मनीराम मरावी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, बिल्हा एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे, जनपद पंचायत सीईओ श्री कुमार लहरे, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्राम चमेली में जल जीवन मिशन ने बदली तस्वीर, हर घर पहुंचा शुद्ध पेयजल

नारायणपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी बदलाव की एक प्रेरक मिसाल नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम चमेली है, जहां जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीणों के घरों तक नियमित रूप से शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है।



कभी पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करने वाले ग्रामीणों के लिए अब घर के आंगन में नल से पानी मिलना जीवन में आए महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक बन गया है। ग्राम चमेली में पहले शुद्ध पेयजल की उपलब्धता ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के लिए बड़ी चुनौती थी। गर्मी के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती थी। ग्रामीणों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनके दैनिक जीवन के साथ-साथ खेती-किसानी एवं अन्य आजीविका संबंधी कार्य भी प्रभावित होते थे। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में 3 सोलर आधारित जल टंकियों की स्थापना की गई तथा लगभग 5,350 मीटर पाइपलाइन बिछाकर 75 परिवारों के घरों तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाया गया।

सोलर आधारित जल व्यवस्था के कारण गांव में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने में भी मदद मिल रही है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। घर पर ही नल से नियमित पानी उपलब्ध होने से महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है। ग्रामीण इस बदलाव को अपने जीवन में आए महत्वपूर्ण परिवर्तन के रूप में देख रहे हैं।

जनभागीदारी से जल व्यवस्था को मिला स्थायित्व'

जल जीवन मिशन की सफलता को स्थायी बनाए रखने के लिए ग्राम चमेली में हर घर जल उत्सव का आयोजन भी किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की बैठक लेकर जल योजना के संचालन एवं संधारण, जल संरक्षण, जल की गुणवत्ता बनाए रखने तथा सामुदायिक सहभागिता के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने योजना को अपनी योजना मानते हुए इसके संरक्षण एवं सुचारू संचालन में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। योजना के दीर्घकालीन संचालन के लिए गांव में 2 जल मित्रों का चयन किया गया है, जिन्हें जलापूर्ति व्यवस्था के नियमित संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

:- संपादकीय :-

भारत के लिए नई चुनौती

भारतीय सोलर सेल और पैनलों पर 123.04 प्रतिशत की एंटी-डंपिंग और 126.09 प्रतिशत काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग को भेजा गया है, जो इस पर 14 अक्टूबर को फैसला करेगा।भारतीय कारोबार पर अमेरिका फिर बड़ा प्रहार करने जा रहा है। वहां के वाणिज्य विभाग ने भारत, इंडोनेशिया, और लाओस से सोलर सेल और सोलर पैनल के आयात पर भारी शुल्क लगाने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। उसका आरोप है कि ₹अनुचित सरकारी सब्सिडी₹ का लाभ उठा कर इन देशों की कंपनियों ने सस्ते उत्पाद बनाए, जिन्हें अमेरिकी बाजार में थोक भाव में उतारा गया। इन तीनों देशों में सबसे ज्यादा शुल्क भारत से होने वाले आयात पर लगाने का इरादा जताया गया है। भारतीय सोलर सेल और पैनलों पर 123.04 प्रतिशत की एंटी-डंपिंग ड्यूटी और 126.09 प्रतिशत प्रतिपूरक (काउंटरवेलिंग) शुल्क लगाने का प्रस्ताव अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग को भेजा गया है, जो इस पर 14 अक्टूबर को फैसला करेगा।उसने प्रस्ताव स्वीकार कर लिए, तो भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद बेचना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसकी बहुत गहरी मार भारतीय सौर उद्योग पर पड़ेगी। फिलहाल, भारत के सौर मॉड्यूल निर्यात का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका जाता है। जब से अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाए, उससे खाली हुई जगह को भारत और कुछ दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भरा। यानी अमेरिकी सौर उद्योग को उसका लाभ नहीं मिला। इसीलिए अमेरिकी सौर कारोबारियों के संगठन इसके खिलाफ लॉबिंग में जुटे रहे हैं। उन्होंने यह प्रचार कर अपने पक्ष में माहौल बनाया कि चीनी पाट-पुर्जों का भारत और अन्य देशों में असेंबल होकर अमेरिका पहुंचना जारी है।अब उन्हें सफलता मिलती दिख रही है। यह भारत के लिए नई चुनौती है। भारत को इस पर दृढ़ रुख अपनाना चाहिए। एक तरफ भारत तो डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में अमेरिकी उत्पादों की खरीदारी बढ़ा रहा है, वहीं भारतीय उत्पादों की अमेरिकी बाजार में पहुंच कठिन होती जा रही है। अतः नरेंद्र मोदी सरकार को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि ऐसी गैर-व्यापार रुकावटें भारत को मंजूर नहीं है। ऐसी रुकावटों के रहते अमेरिका से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। सिर्फ ऐसे सख्त रुख से ही भारत अपने सौर एवं अन्य उद्योगों के हित की रक्षा कर सकता है।

सूचनाओं की सुनामी में सिकुड़ती समझ

ललित गर्ग ।

कुछ शब्दों का शीर्षक लोगों की राय बना देता है। देखते ही देखते एक धारणा सच जैसी लगने लगती है। बाद में अगर कोई दूसरा तथ्य सामने आए तो उसे स्वीकार करना आसान नहीं होता, क्योंकि राय पहले बन चुकी होती है।वायरल होना सत्य की गारंटी नहीं है। लाखों लोगों तक पहुंची कोई पोस्ट भी गलत हो सकती है और किसी जरूरी तथ्य को शायद ही कोई साझा करे। डिजिटल दुनिया की विडंबना यही है कि जो बात सबसे ज्यादा दिखाई देती है, जरूरी नहीं कि वही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो।इसका एक कारण हमारी अपनी आदत भी है। हम वही देखना पसंद करते हैं जिससे सहमत होना आसान हो। सोशल मीडिया भी हमारी पसंद पहचानकर उसी तरह की सामग्री बार-बार सामने लाता है। धीरे-धीरे एक ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें अपनी राय की पुष्टि तो खूब मिलती है, लेकिन उससे अलग सोचने वाले तथ्य कम दिखाई देते हैं। फिर हमें लगता है कि दुनिया भी वही सोच रही है जो हम सोच रहे हैं।



सूचना बताती है कि क्या हुआ, जबकि समझ यह जानने की कोशिश करती है कि क्यों हुआ, उसका असर किस पर पड़ेगा और उसके पीछे की तस्वीर क्या है। हमारे पास सूचना ज्यादा है, लेकिन समझने के लिए समय और धैर्य कम है।सुबह आंख खुलते ही मोबाइल सामने होता है। रात में क्या हुआ, देश में क्या चल रहा है, दुनिया में किसने क्या कहा, सब कुछ चंद पलों में पता चल जाता है। फिर भी दिन चढ़ने के साथ यह भरोसा नहीं बढ़ता कि हमें दुनिया पहले से ज्यादा समझ में आ रही है। उलटे, कई बार लगता है कि खबरें बढ़ रही हैं और समझ सिकुड़ रही है।कभी खबर के लिए अखबार का इंतजार होता था। अब खबरें इंतजार नहीं करतीं। वे लगातार हमारे दरवाजे पर दस्तक देती रहती हैं। एक नोटिफिकेशन हटाइए तो दूसरा सामने है। एक वीडियो खत्म नहीं होता कि दूसरा शुरू हो जाता है। कुछ देर बाद याद भी नहीं रहता कि सुबह पढ़ी गई दस खबरों में से कौन-सी वास्तव में महत्वपूर्ण थी।यहीं सूचना और समझ का फर्क सामने आता है। सूचना बताती है कि क्या हुआ, जबकि समझ यह जानने की कोशिश करती है कि क्यों हुआ, उसका असर किस पर पड़ेगा और उसके पीछे की तस्वीर क्या है। हमारे पास सूचना ज्यादा है, लेकिन समझने के लिए समय और धैर्य कम है।सोशल मीडिया ने इस समस्या को और पेचीदा बना दिया है। किसी घटना की पूरी जानकारी सामने आने से पहले ही उसका वीडियो वायरल हो जाता है। कुछ शब्दों का शीर्षक लोगों की राय बना देता है। देखते ही देखते एक धारणा सच जैसी लगने लगती है। बाद में अगर कोई दूसरा तथ्य सामने आए तो उसे स्वीकार करना आसान नहीं होता, क्योंकि राय पहले बन चुकी होती है।वायरल होना सत्य की गारंटी नहीं है। लाखों लोगों तक पहुंची कोई पोस्ट भी गलत हो सकती है और किसी जरूरी तथ्य को शायद ही कोई साझा करे। डिजिटल दुनिया की विडंबना यही है कि जो बात सबसे ज्यादा दिखाई देती है, जरूरी नहीं कि वही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो।इसका एक कारण हमारी अपनी आदत भी है। हम वही देखना पसंद करते हैं जिससे सहमत होना आसान हो। सोशल मीडिया भी हमारी पसंद पहचानकर उसी तरह की सामग्री बार-बार सामने लाता है। धीरे-धीरे एक ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें अपनी राय की पुष्टि तो खूब मिलती है, लेकिन उससे अलग सोचने वाले तथ्य कम दिखाई देते हैं। फिर हमें लगता है कि दुनिया भी वही सोच रही है जो हम सोच रहे हैं। यह बात महज सोशल मीडिया की नहीं रह जाती। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन असहमति के लिए साझा तथ्य भी जरूरी हैं। यदि हर व्यक्ति अपनी-अपनी सूचनाओं की दुनिया में बंद हो जाए तो बहस बहुत होगी, संवाद कम। अपनी बात कहने की आजादी जितनी जरूरी है, दूसरे की बात सुनने का धैर्य भी उतना ही जरूरी है।ऐसे समय में पत्रकारिता की जिम्मेदारी पहले से बढ़ जाती है। जब हर व्यक्ति के हाथ में कैमरा है और कोई भी घटना कुछ ही क्षण में दुनिया के सामने पहुंच सकती है, तब असली काम सिर्फ सूचना देना नहीं, बल्कि उसकी पड़ताल करना, तथ्य अलग करना और घटना को संदर्भ में रखना है। हर वायरल विषय महत्वपूर्ण नहीं होता। इसलिए पत्रकारिता को लोकप्रियता के पीछे भागने के बजाय सार्वजनिक महत्व को देखना होगा।तेजी और जल्दबाजी में भी फर्क है। गलत सूचना कुछ मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकती है, लेकिन बाद में दी गई सफाई शायद उतनी दूर न जाए। पत्रकारिता का भरोसा बनाने में वर्षों लगते हैं, उसे कमजोर करने के लिए एक गलत खबर भी काफी हो सकती है।मुश्किल यह भी है कि लोग बिना पूरी बात जाने पक्ष चुन लेते हैं और सार्वजनिक रूप से व्यक्त की गई अपनी बात से पीछे हटना उन्हें अपनी ही नजर में कठिन लगता है। यहीं पत्रकारिता को भीड़ से थोड़ा अलग खड़ा होना पड़ता है। पाठक को वही बताना आसान है जो वह सुनना चाहता है, लेकिन मुश्किल यह है कि उसे वह जानकारी दी जाए जिसे जानना उसके लिए जरूरी है।एआई आने वाले समय में सूचना की इस बाढ़ को और तेज करेगा। खबरें, तस्वीरें और वीडियो पहले से कहीं तेजी से तैयार होंगे। ऐसे में समस्या सूचना की उपलब्धता नहीं, उसकी विश्वसनीयता पहचानने की होगी। पत्रकारिता को पाठक के लिए फैसला करने के बजाय उसे तथ्य देकर अपना फैसला करने लायक बनाना होगा।पाठक की जिम्मेदारी भी यहीं से शुरू होती है। हर खबर पर तत्काल प्रतिक्रिया देना जरूरी नहीं। कभी-कभी सबसे समझदार प्रतिक्रिया यही होती है कि कुछ देर रुका जाए, स्रोत देखा जाए, दूसरा पक्ष सुना जाए और फिर राय बनाई जाए।आखिर खबरों का उद्देश्य केवल हमें व्यस्त रखना नहीं है। वे हमें दुनिया को समझने का अवसर देती हैं। सूचना केवल घटना का विवरण देती है, जबकि समझ उसका असली अर्थ समझाती है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?या रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

सू- दोकू क्र.180

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

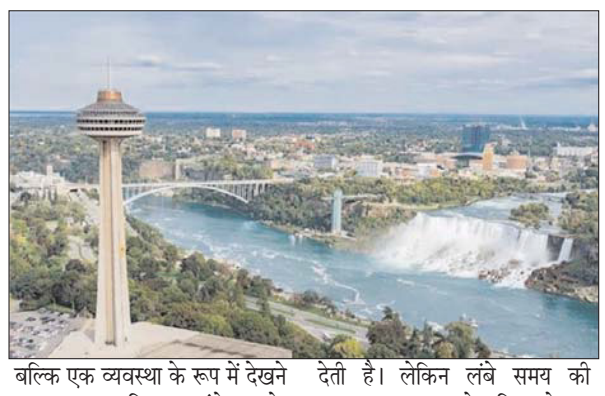
सू-दोकू क्र.179का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

नजरिया

नीरज कुमार दुबे ।

अमरीकी सामाजिक व्यवस्था प्रबंधन व शिकागो से नियाग्रा फॉल्स दर्शन



अमरीका आने का अनुभव केवल एक देश की यात्रा का अनुभव नहीं है। यह अपने साथ अनेक प्रश्न लेकर आता है। यहां की सड़कें, इमारतें, शहर, लोगों का रहन-सहन, काम करने का तरीका और सामाजिक व्यवस्था, हर चीज अपने आप में कुछ कहती दिखाई देती है। लेकिन मेरे लिए इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष केवल अमरीका को देखना ही नहीं, बल्कि अमरीका को भारतीय की दृष्टि से समझने का प्रयास करना रहा।ऐतिहासिक आर्ट इंस्टीच्यूट आफ शिकागो पहुंचते ही स्वामी विवेकानंद जी का स्मरण हुआ, जहां 1893 में विश्व धर्म संसद के मंच से उन्होंने पूरी दुनिया को ह्यसिस्टर्स एंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिकाह्न कहकर संबोधित किया था। उस संबोधन में केवल शब्द नहीं थे, बल्कि भारत के ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्न यानी मानवता को एक परिवार के रूप में देखते हुए सहिष्णुता और विभिन्न धार्मिक परंपराओं के सम्मान का भाव था। विस्कोन्सिन, इलीनॉयस, मिशिगन, ओहायो, पैन्सिल्वेनिया, न्यूयार्क, इंडियाना राज्यों, शिकागो, रैसीन, केनोशा होते हुए जब नियाग्रा फॉल्स की यात्रा की तो अमरीका को केवल एक राज्य या शहर के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यवस्था के रूप में देखने का अवसर मिला। लंबे रास्ते, व्यवस्थित सड़कें, ट्रैफिक का अत्यधिक अनुशासन, अलग-अलग स्थानों की अपनी विशेषता और सुव्यापक व्यवस्था से उनका जुड़ाव, ये बातें ध्यान आक?षत करती हैं।भारत तेजी से विकास कर रहा है। हमारे शहर बदल रहे हैं, सड़कें बन रही हैं, नई इमारतें खड़ी हो रही हैं और तकनीक का इस्तेमाल बढ़ रहा है। लेकिन भारत और अमरीका के अनुभव में एक अंतर कई जगह दिखाई देता है। अमरीका में किसी व्यवस्था के पीछे पहले से तय नियम, मानक और जिम्मेदारी का भाव अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। भारत में कई बार परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्था को ढालने और तत्काल समाधान निकालने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। लेकिन लंबे समय की मजबूत व्यवस्था के लिए केवल जुगाड़ पर्याप्त नहीं हो सकता।यहां लोगों का अपने काम और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति व्यवहार, सड़क पर नियमों का पालन केवल पुलिस के डर से नहीं, बल्कि सामान्य सामाजिक व्यवहार का हिस्सा दिखाई देता है। नागरिकों का व्यवहार भी विकास का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमरीका में अलग-अलग देशों और संस्कृतियों से आए लोग रहते हैं। भारतीय, चीनी, मैक्सिकन, यूरोपीय, अफ्रीकी और अनेक अन्य समुदाय यहां अपनी-अपनी पहचान के साथ जीवन जीते हैं। इसके बावजूद एक सांझी अमरीकी नागरिक पहचान बनाने का प्रयास दिखाई देता है। यह अनुभव भारत के लिए भी विचारणीय है कि अपनी मूल पहचान को बनाए रखते हुए एक व्यापक राष्ट्रीय पहचान को कैसे मजबूत किया जाए।इसी यात्रा के दौरान रैसीन शहर में भारतीय गुजराती कम्युनिटी के गरबा कार्यक्रम व हिंदू मंदिर में गणेश विसर्जन में शामिल होने का अवसर मिला। वहां पहुंचकर लगा कि हजारों मील दूर अमरीका में रहते हुए भी भारतीय समाज ने अपनी परंपराओं और संस्कारों को जीवित रखा है। अमरीका में रहने वाले भारतीयों ने अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा और अमरीकी जीवन-पद्धति के साथ-साथ भारतीय त्यौहारों, भाषा, भोजन और संस्कारों से जोडने का प्रयास किया है।

फिर यात्रा नियाग्रा फॉल्स की ओर बढ़ी। नियाग्रा फॉल्स प्रकृति का ऐसा दृश्य है जिसके सामने मनुष्य की बनाई हुई सारी भव्यता छोटी लगने लगती है। पानी की विशाल धार, उसकी आवाज, चारों ओर उठती फुहार और प्रकृति की शक्ति, यह सब देखकर मन कुछ देर के लिए शांत हो जाता है। यहां अमरीका और कनाडा की सीमा के आसपास विभिन्न देशों और समुदायों से आए लोगों को एक साथ घूमते, आनंद लेते और एक-दूसरे के साथ सहज व्यवहार करते देखना भी अपने आप में एक अनुभव था।

विचार

हर धड़कन में महसूस करें दिल की सेहत



वर्ष 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है– लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें और जीवनशैली में समय के साथ बदलाव करें।पिछले एक दशक में स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है, लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है।स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार करते हुए एक दिन विशेष रूप से इसे पूरे विश्व में मनाने का निश्चय किया गया, ताकि लोगों को इस रोग की बारीकियों और शुरूआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। लोगों में इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व हृदय दिवस की शुरूआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था।

कोई नाराज फूफियों की भी बात कर लो

एक फूफी ममता दीदी हैं, जिनका भतीजे से मोह ही नहीं छूट रहा और एक फूफी बहन मायावती हैं कि जो जब चाहती हैं कि भतीजे आकाश आनंद को गोद से उतार कर फेंक देती हैंनाराज फूफाओं के इस दौर में जब तक फूफियां हैं, तब तक इस बात की तसल्ली रहनी चाहिए कि भाई-भतीजावाद कायम है। वरना तो सचमुच यह माना जाने लगा था कि राजनीति में अब भाई-भतीजावाद के दिन लद ही गए हैं। इसकी वजह यह नहीं है कि परिवारवाद का बड़ा हल्ला मचने लगा है। हल्ला मचाने वाले ही कहां परिवारवाद से अछूते हैं। लेकिन यह बात सच है कि इधर नेता लोगों ने भाई-भतीजों को पूछना लगभग बंद ही कर दिया-भैया मैं क्या करूं बेटा नहीं मान रहा, आप अपना देख लो! लगता है जी, कि बेटों के आने से ही भाई-भतीजों को यह दिन देखने पड़ रहे हैं।वैसे मनप्रीत बादल आजकल कहां हैं। और बेटों की क्या बात है जी एक वक्त तो दामाद तक आने लगे थे। नायडूजी को भूलिए मत न। लेकिन अच्छी बात यह है जी, जब तक फूफियां हैं, तब तक तसल्ली रखिए कि भाई-भतीजावाद कायम है। अब ममता दीदी को ही देख लो। पार्टी दे दी। बंगाल की जनता ने दीदी को कुर्सी से उतार दिया, पर दीदी ने भतीजे को गोद से नहीं उतारा। भतीजे के लाड़ लड़ाने के चक्कर में लोग उनकी पार्टी तक ले गए। पर उन्होंने भतीजे के सिर से हाथ नहीं हटाया। और उनकी पार्टी को ले कौन गया-एनसीपीआई। कोई नाम तक नहीं जानता।खैर जी, इधर नाराज फूफाओं का बड़ा हल्ला मचा हुआ है। वैसे तो इसका श्रेय राजू श्रीवास्तव जैसे स्टैंडअप कॉमेडियनों को जाना चाहिए, जो नाराज फूफाओं को चचाओं में लेकर आए थे। लेकिन राजनीति में नाराज फूफाओं को चर्चा में लाने का श्रेय निश्चित रूप से प्रधानमंत्रीजी को जाता है। बस डर यही है कि हमारे हरियाणे की तरह अगर नाराज फूफा बिना नेग लिए नहीं टले, तो क्या होगा। लेकिन नाराज फूफाओं के इस हल्ले का नुकसान यह हो रहा है कि नाराज फूफियों का कोई जिक्र तक नहीं कर रहा। एक फूफी ममता दीदी हैं, जिनका भतीजे से मोह ही नहीं छूट रहा और एक फूफी बहन मायावती हैं कि जो जब चाहती हैं कि भतीजे आकाश आनंद को गोद से उतार कर फेंक देती हैं। पिछले साल छह महीने से यही चल रहा है कि दो महीने वे फूफी की गोद में होते हैं और दो महीने जमीन पर पड़े बिसूरते रहते हैं।इधर खबर यह भी है कि वे इस भतीजे को गोद से उतारकर दूसरे भतीजे यानी ईशान आनंद को गोद में बिठाने वाली हैं। फिर पता चला कि उनका प्यार तो भतीजी दीपिका के लिए उमड़ रहा है। चंद्रशेखर रावण से लेकर अखिलेश यादव तक सबने मायावती को फूफी बनाने की कोशिश की।

शब्द सामर्थ्य -180

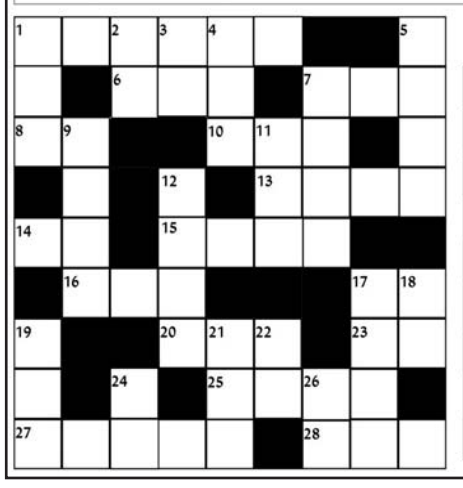
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 179का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	रे	■	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	मि	■	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

कस्टम मिलिंग में 59.25 हजार क्विंटल चावल का हिसाब गायब!

राम राइस मिल पर प्रशासन का शिकंजा, भौतिक सत्यापन में 10,480 क्विंटल के बजाय मिला महज 4,554.52 क्विंटल चावल

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में धान कस्टम मिलिंग व्यवस्था की पारदर्शिता और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। गंडईकला स्थित राम राइस मिल के संचालक/प्रोपराइटर को जिला प्रशासन की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 3 अक्टूबर 2026 को राजस्व, खाद्य, पुलिस, नागरिक आपूर्ति निगम, स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन एवं विपणन संघ की संयुक्त टीम द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन में मिल के स्टॉक में भारी अंतर सामने आने का उल्लेख नोटिस में किया गया है।

नोटिस के अनुसार, कस्टम मिलिंग वर्ष 2025-26 में मिल के लिए ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार 10,480 क्विंटल चावल जमा किया जाना शेष प्रदर्शित था, लेकिन मौके पर भौतिक सत्यापन के दौरान महज 4,554.52 क्विंटल चावल पाया गया। इस तरह 5,925.48 क्विंटल चावल कम पाया गया। प्रशासन ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए मिल संचालक से जवाब तलब किया है।

मिल परिसर में 8,844 बोरा धान मिला, फिर चावल का हिसाब कहां गया?



जांच दल के भौतिक सत्यापन में मिल परिसर में अलग-अलग स्टॉक में कुल 8,844 बोरा धान उपलब्ध पाया गया। इसमें मोटा धान, पतला धान, ब्रोकन राइस तथा चावल का स्टॉक शामिल बताया गया है। नोटिस में उपलब्ध स्टॉक को अनुपातिक चावल में परिवर्तित करने पर 5,925.48 क्विंटल की मात्रा का उल्लेख किया गया है।

प्रशासन द्वारा दर्ज जांच निष्कर्षों ने मिलिंग व्यवस्था की निगरानी पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर रिकॉर्ड में दर्शाई गई मात्रा और मौके पर उपलब्ध स्टॉक के बीच इतना बड़ा अंतर कैसे पैदा हुआ?

करीब 2.10 करोड़ रुपये के धान का मामला

नोटिस में प्रथम दृष्टया 4,554.52 क्विंटल चावल, जिसकी अनुपातिक धान मात्रा 6,797 क्विंटल बताई गई है, के अपयोजन का उल्लेख किया गया है। वर्ष 2025-26 की प्रचलित धान उपार्जन दर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के आधार पर इसकी अनुमानित कीमत 2,10,70,700 रुपये आंकी गई है।

यानी मामला महज स्टॉक में मामूली कमी का नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये के सरकारी धान और उससे जुड़े कस्टम मिलिंग रिकॉर्ड की गंभीर गड़बड़ी तक पहुंचता दिखाई दे रहा है।

रिकॉर्ड गायब, परिसर में हजारों खाली बारदाने भी मिले

जांच के दौरान मिल परिसर में बी-01 पंजी, मासिक विवरणी पंजी एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने की बात भी नोटिस में दर्ज है। इतना ही नहीं, मिल परिसर में लगभग 75 हजार खाली जूट बारदाने पाए जाने का उल्लेख किया गया है। बिजली मीटर की रीडिंग भी 1458.2 kWh दर्ज की गई। इन परिस्थितियों ने जांच की गंभीरता और मिल संचालन की वास्तविक स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच के दौरान संचालक रहे अनुपस्थित, ताला लगा मिला मिल परिसर

नोटिस के मुताबिक संयुक्त जांच टीम जब मिल पहुंची, उस दौरान संचालक अनुपस्थित थे। मिल परिसर में ताला लगा पाया गया और उपस्थित कर्मचारियों के पास चाबी नहीं होने की बात सामने आई। बाद में मिल प्रबंधन की ओर से प्रतिनिधि रमेश चन्द्रवंशी जांच में उपस्थित हुए और उनका लिखित बयान भी दर्ज किया गया।

स्टॉक जब्त, आगे की कार्रवाई के संकेत

प्रशासन ने जांच के दौरान पाए गए धान एवं चावल के स्टॉक को मिल संचालक के प्रतिनिधि से जप्त कर आगामी आदेश तक सुपुर्दगी में दिए जाने का उल्लेख किया है। इससे साफ है कि प्रशासन ने मामले को महज कागजी जवाब-तलब तक सीमित नहीं रखा है।

तीन साल ब्लैकलिस्ट से लेकर अभियोजन तक प्रस्तावित कार्रवाई

कारण बताओ नोटिस में प्रशासन ने कस्टम मिलिंग से संबंधित शर्तों और आदेशों के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। प्रस्तावित कार्रवाई में—

जप्त संपूर्ण सामग्री को शासन के पक्ष में राजसात करना।

अपयोजित धान की पूरी मात्रा की 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से वसूली।

बैंक गारंटी शासन के पक्ष में राजसात करना।

राम राइस मिल को आगामी तीन वर्षों के लिए काली सूची में डालना।

मिल संचालक के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई शुरू करना।

जैसी कार्रवाई शामिल है।

अब बड़ा सवाल—इतनी बड़ी कमी के लिए जिम्मेदार कौन?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कस्टम मिलिंग के रिकॉर्ड में हजारों क्विंटल चावल जमा किया जाना शेष था और मौके पर उससे कई गुना कम मात्रा मिली, तो इतने बड़े अंतर की निगरानी अब तक कैसे नहीं हो सकी? क्या संबंधित विभागों की नियमित निगरानी महज कागजी खानापूर्ति तक सीमित थी? और यदि स्टॉक का भौतिक सत्यापन समय पर होता, तो इतनी बड़ी कथित कमी सामने आने में इतना समय क्यों लगा?

जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट ने अब मिलिंग व्यवस्था की निगरानी, रिकॉर्ड संधारण और सरकारी धान के रख-रखाव पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि अंतिम जिम्मेदारी और दोष का निर्धारण संचालक के जवाब तथा आगे की जांच एवं विधिक कार्रवाई के बाद ही स्पष्ट होगा।

प्रधान पाठक अशोक टोण्डे को मिला राष्ट्रीय स्तर का शिक्षा ज्योति सम्मान

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व शिक्षक दिवस 05 अक्टूबर 2026 के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान में एक भव्य राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस गरिमामय समारोह में विभिन्न राज्यों के 170 से अधिक चयनित शिक्षकों को 'शिक्षा ज्योति सम्मान' से विभूषित किया गया। इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक शाला सेनगुड़ा,विकासखण्ड लोरमी ,जिला मुंगेली का कर्मठ एवं समर्पित प्रधान पाठक अशोक टोण्डे को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभिनव प्रयोगों, नवाचारी शिक्षण विधियों एवं उत्कृष्ट शिक्षण योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान कार्यक्रम की मुख्य आयोजक 'शिक्षा ज्योति' की संस्थापक अर्चना शर्मा एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार छत्तीसगढ़ के जनरल सेक्रेटरी डॉ. राघवेंद्र सिंह राठौर द्वारा संयुक्त रूप से ऑनलाइन मंच



के माध्यम से प्रदान किया गया।

आयोजकों ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि श्री टोण्डे जी ने ग्रामीण अंचल में शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने और विद्यार्थियों में ज्ञान व संस्कारों के संचार के लिए जो अनुकरणीय कार्य किया है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। प्रधान पाठक अशोक टोण्डे को यह सम्मान मिलने पर विद्यालय परिवार, संकुल, क्षेत्र के शिक्षाविदों, सहकर्मियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है।

सरोधा बांध में पर्यटकों से विवाद एवं शांति भंग करने वाला युवक गिरफ्तार हंगामा



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिला में पर्यटक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में सरोधा बांध क्षेत्र में पर्यटकों एवं आने-जाने वाले लोगों के साथ विवाद कर शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले युवक के विरुद्ध पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की।

04 अक्टूबर को थाना सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सरोधा बांध के पास एक युवक पर्यटकों के साथ वाद-विवाद करते हुए गाली-गलौज कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना पेट्रोलिंग टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई और सरोधा बांध पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मौके पर लक्ष्मण साहू पिता परसादी साहू, उम्र 20 वर्ष, निवासी तारो, थाना कवर्धा, जिला कबीरधाम द्वारा पर्यटकों एवं आने-जाने वाले लोगों के साथ अनावश्यक रूप से विवाद करते हुए गाली-गलौज की जा रही थी।

पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही युवक को समझाइश देते हुए पर्यटकों एवं आम नागरिकों के साथ विवाद नहीं करने तथा शांति बनाए रखने के लिए कहा गया। इसके बावजूद युवक पुलिस की समझाइश को नजरअंदाज करते हुए पुनः जोर-जोर से चिल्लाने लगा और विवाद की स्थिति उत्पन्न करने लगा। युवक के इस व्यवहार से मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी तथा वह मारपीट करने के लिए उतारू हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बिना किसी विलंब के हस्तक्षेप किया और संभावित अप्रिय घटना को रोकने के लिए युवक के विरुद्ध मौके पर ही वैधानिक कार्यवाही की। संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण संभावना को देखते हुए लक्ष्मण साहू को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। इसके पश्चात शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उसके विरुद्ध धारा 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत पृथक से इस्तगासा तैयार कर अधिक से अधिक प्रतिभूति से प्रतिबंधित किए जाने हेतु न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सिटी कोतवाली पुलिस की इस कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि सार्वजनिक एवं पर्यटक स्थलों पर किसी भी व्यक्ति द्वारा विवाद, गाली-गलौज अथवा मारपीट की स्थिति उत्पन्न कर शांति व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास किए जाने पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया जाएगा। पुलिस की त्वरित कार्रवाई का उद्देश्य किसी अप्रिय घटना के घटित होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि समय रहते संभावित घटना को रोककर आम नागरिकों एवं पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कबीरधाम पुलिस द्वारा आम नागरिकों एवं पर्यटकों से अपील की गई है कि सार्वजनिक एवं पर्यटन स्थलों पर शांति एवं अनुशासन बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की विवादित अथवा संदिग्ध स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कोतरी नदी में स्वच्छता अभियान



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)।कोतरी नदी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, मोहल्लेवासियों, युवा साथियों एवं जागरूक नागरिकों ने एकजुट होकर श्रमदान किया। इस दौरान श्रमदान करने वालो ने कहा कि हमारी कोतरी नदी हमारी जिम्मेदारी है। स्वच्छ नदी, स्वच्छ मोहल्ला और स्वच्छ वातावरण के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। हमारा संकल्प है कि नदी को स्वच्छ रखने के साथ-साथ लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। सभी मिलकर अपने वार्ड, अपने मोहल्ले और अपनी कोतरी नदी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सुजीत वर्मा, विक्रम सिंह ठाकुर, दिनेश साहू, अशोक जायसवाल, पार्षद धनन्जय दुबे, रिक्की सलूजा, सोहन वर्मा, एल्डरमैन अमिताभ तिवारी, अशोक साहू, मिंटू अग्रवाल, विनोद राजपूत, जुगनू साहू, सीएमओ चंदन शर्मा, रमेश राजपूत, ईश्वर राजपूत, नकुल राजपूत, गोपाल राजपूत, कमलेश श्रीवास, लालू राजपूत, धन्नू साहू, श्याम लाल राजपूत, धर्मजीत राजपूत, नगर पालिका टीम श्रवण ध्रुव, कमलाकांत, हेम राजपूत, क्षितिज यादव, तिलक भाई, अनिल गुप्ता, दिनेश राजपूत, तिजाऊ राजपूत, अविनाश, सोमेश श्रीवास आदि उपस्थित रहे।

मंडी परिसर में निर्माण के नाम पर गुणवत्ता की खुलेआम धज्जियां! मिट्टीयुक्त रेत से हो रहा दुकानों का निर्माण

सूचना पटल गायब, सरकारी धन की बंदरबांट की आशंका

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के पंडरिया विधानसभा मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में दुकानों के निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं ने निर्माण व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। निर्माण स्थल पर स्थानीय नदी की मिट्टीयुक्त रेत का खुलेआम उपयोग किए जाने की शिकायत सामने आ रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के निर्धारित मापदंडों को ताक पर रखकर मनमानी की जा रही है। जनता के खून-पसीने की कमाई से स्वीकृत विकास कार्य में यदि घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है, तो यह महज लापरवाही नहीं, बल्कि सरकारी धन और जनविश्वास के साथ गंभीर खिलवाड़ है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर मंडी सचिव किस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं? मंडी परिसर में निर्माण कार्य उनकी नाक के नीचे संचालित हो रहा है, लेकिन निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर प्रभावी निगरानी दिखाई नहीं देने की शिकायत है। क्या मंडी सचिव को निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री की जानकारी नहीं है, या फिर सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंद ली गई हैं? उनकी कार्यप्रणाली पर उठते सवालों का जवाब कौन देगा? जिम्मेदारों की यह कथित चुप्पी कई संदेहों को जन्म दे रही है।

अभियंताओं की निगरानी आखिर किस काम की?

मंडी बोर्ड के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं उप अभियंताओं पर निर्माण कार्य की तकनीकी निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। समय-समय पर निर्माण स्थल का निरीक्षण कर सामग्री की जांच करना उनका दायित्व है। इसके बावजूद यदि निर्माण कार्य में मिट्टीयुक्त रेत का उपयोग हो रहा है, तो यह अभियंताओं की निगरानी व्यवस्था की गंभीर



विफलता को उजागर करता है। सवाल उठता है कि क्या संबंधित अधिकारी केवल कार्यालयों में बैठकर कागजी निरीक्षण कर रहे हैं? निर्माण स्थल पर उनकी वास्तविक मौजूदगी और निगरानी आखिर कहां है?

सूचना पटल गायब, आखिर जनता से क्या छिपाया जा रहा है?

निर्माण स्थल पर नागरिक सूचना पटल का गायब होना पारदर्शिता के दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है। निर्माण कार्य की स्वीकृत राशि, कार्य एजेंसी, निर्माण अवधि और अन्य आवश्यक जानकारियां सार्वजनिक करने के लिए सूचना पटल लगाया जाना चाहिए। लेकिन यहां सूचना पटल का अभाव यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर निर्माण कार्य से जुड़ी जानकारियां आम जनता से क्यों छिपाई जा रही हैं? जब विकास कार्य जनता के पैसों से हो रहा है, तो जनता को उसकी जानकारी देने में इतनी उदासीनता क्यों?

उच्चस्तरीय जांच नहीं हुई तो गुणवत्ता से खिलवाड़ पर उठते रहेंगे सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही रेत एवं अन्य निर्माण सामग्री की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। निर्माण स्थल से सामग्री के नमूने लेकर स्वतंत्र प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जाए। साथ ही मंडी बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर निर्माण की तकनीकी जांच की जाए। यदि जांच में अनियमितता प्रमाणित होती है, तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मंडी बोर्ड के उच्चाधिकारी इस कथित गुणवत्ता संबंधी गड़बड़ी पर संज्ञान लेंगे, या फिर जिम्मेदारों की चुप्पी के साये में सरकारी निर्माण की गुणवत्ता से इसी तरह खिलवाड़ होता रहेगा? विकास के नाम पर सरकारी धन खर्च करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस धन से होने वाले निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। यदि निर्माण की नींव ही घटिया सामग्री पर रखी जाएगी, तो ऐसे विकास कार्यों से आम जनता का भरोसा उठना स्वाभाविक है। पंडरिया मंडी का यह निर्माण कार्य अब संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही और पारदर्शिता की असली परीक्षा बन गया है।

राष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर मेडिकल टीम लोरमी ने लिया रक्तदान का संकल्प

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय रक्तदान दिवस के पावन अवसर पर मेडिकल टीम लोरमी परिवार द्वारा जन जागरूकता संदेश जारी किया गया।

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ जीएस दाऊ ने कहा कि आइए हम सभी एक ऐसा संकल्प लें जो किसी अनजान इंसान के जीवन में उम्मीद की नई किरण बन सके। रक्तदान केवल रक्त देना नहीं, बल्कि किसी माँ की ममता और किसी बच्चे की जिंदगी बचाने का पुण्य कार्य है। मेडिकल टीम लोरमी के प्रमुख मिंटू छाबड़ा ने अपील करते हुए कहा कि यदि आप स्वस्थ हैं और रक्तदान के पात्र हैं तो आगे आएं, रक्तदान कीजिए और अपने मित्रों,



परिवारजनों को भी रक्तदान के लिए प्रोत्साहित कीजिए। आपके एक यूनिट रक्तदान से हम कई लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ होने तक निरंतर जागरूक कर सकते हैं। मेडिकल टीम लोरमी द्वारा लगातार स्वास्थ्य संबंधी हर कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। रक्तदान महादान है। इस अवसर पर घनश्याम यादव ने रक्तदान किया। शैलेन्द्र पाण्डेय, राजाराम कश्यप, सतीश देवांगन, जीतेन्द्र साहू, तोकेश्वर साहू, तिरिथ राम साहू, राजेन्द्र साहू, अभिलाष जायसवाल उपस्थित रहे।

मेडिकल टीम ने किया एचआईवी का जन जागरूक कार्यक्रम के लिए लोगों को जागरूक

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। मेडिकल टीम लोरमी के तत्वाधान में मुंगेली चौक प्रकाश मेडिकल स्टोर के ठीक सामने यह कार्यक्रम किया गया यह अभियान छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है आइये हम भाग ले और भेदभाव नहीं करें रोग से डरे रोगियों से नहीं यह छत्तीसगढ़ शासन का यह कार्यक्रम एचआईवी निवारण एचआईवी मुक्त 2030 तक छत्तीसगढ़ का लक्ष्य है और इनका



चार कारण सुरक्षित यौन सम्बन्ध सीरीज का एक बार उपयोग करें एवं ब्लड डोनेट करते समय विशेष ध्यान देवे मेडिकल टीम लोरमी के प्रमुख सदस्य राजेंद्र साहू जी ने कहा प्रति व्यक्ति एवं हर समाज के वर्ग को लोगों को जागरूक करना लोगों से अपील की रोग को छुपाना नहीं है इसमें लोरमी हॉस्पिटल के डॉक्टर आयाम मेडिकल टीम के अध्यक्ष मिंटू छावड़ा उपाध्यक्ष जीवन साहू सचिव मुकेश कश्यप कोषाध्यक्ष अवधेश राजपूत राजेश झरिया डॉक्टर अशोक जायसवाल उपस्थित रहे।

वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत स्वच्छता एवं वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अचानकमार टाइगर रिजर्व के बिसौनी गांव में विद्यार्थियों ने ग्रामीणों एवं बच्चों के साथ साझा की पर्यावरण संरक्षण की जानकारी

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। अचानकमार टाइगर रिजर्व क्षेत्र में वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं वन्यजीव जागरूकता को लेकर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय एवं बच्चों को स्वच्छता, जैव-विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता अभियान से हुई, जिसमें गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से पहुंचे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही स्थानीय लोगों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया। लोगों को अपने आसपास के प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके पश्चात अचानकमार टाइगर रिजर्व स्थित बिसौनी गांव में प्रयास – ए स्मॉल स्टेप फाउंडेशन द्वारा संचालित विद्यालय, प्रयास वनवासी पाठशाला, के बच्चों से मुलाकात की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने बच्चों से संवाद कर उनके दैनिक जीवन, शिक्षा और वन क्षेत्र से जुड़े अनुभवों को जाना। बच्चों के साथ समय बिताना कार्यक्रम का एक विशेष और सुखद अनुभव रहा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों को पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem), जैव-विविधता (Biodiversity) तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष (Human-Wildlife Conflict) के बारे में



सरल भाषा में जानकारी दी गई। साथ ही वन्यजीवों और मनुष्यों के बीच संतुलित सह-अस्तित्व की आवश्यकता तथा प्राकृतिक संसाधनों एवं जैव-विविधता के संरक्षण के महत्व को समझाया गया। बच्चों को यह संदेश दिया गया कि प्रकृति का संरक्षण केवल वन विभाग या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रयास – ए स्मॉल स्टेप फाउंडेशन एवं उनकी पूरी टीम का महत्वपूर्ण एवं पूर्ण सहयोग रहा। फाउंडेशन के सहयोग से विद्यार्थियों को ग्रामीण एवं वन क्षेत्र के बच्चों के साथ प्रत्यक्ष संवाद करने और उनके जीवन को समझने का अवसर मिला।

इस अवसर पर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से पहुंचे सभी विद्यार्थियों ने हर्ष एवं उत्साह के साथ स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता गतिविधियों तथा बच्चों के साथ संवाद में सहभागिता की।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को न केवल पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का अवसर दिया, बल्कि स्थानीय समुदाय के साथ जुड़कर कार्य करने का एक सार्थक अनुभव भी प्रदान किया।

वन्यजीव सप्ताह के इस आयोजन ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के संदेश को समुदाय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत और वेस्टइंडीज पर आईसीसी का सख्त एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज तो खत्म हो चुकी है, जिसे भारत ने 2-1 से जीत लिया है, लेकिन अब आईसीसी ने सीरीज के आखिरी मैच को लेकर सख्त एक्शन लिया है। दरअसल ये कार्रवाई स्लो ओवर रेट को लेकर की गई है। इसमें दोनों टीमें जद में आ गई हैं। हालांकि पेनाल्टी अलग अलग लगाई गई है।



वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला न्यू चंडीगढ़ में शनिवार को खेला गया था

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को न्यू चंडीगढ़ के मुल्लानपुर में खेला गया था। मैच निर्धारित समय से काफी देर बाद खत्म हो पाया था। मैच के दौरान जब टीम इंडिया बाद में गेंदबाजी कर रही थी, तब मैदानी अंपायर ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल को स्लो ओवर रेट को लेकर कई बार टोका भी था, लेकिन इसके बाद भी उसे मेंटेन नहीं किया जा सका। अब आईसीसी ने मेजबान टीम यानी भारत पर मैच फीस का 20 परसेंट वहीं वेस्टइंडीज पर 10 परसेंट जुर्माना लगाया है।

वेस्टइंडीज के दो और भारत के चार ओवर कम पाए गए

आईसीसी की ओर से जानकारी दी गई है कि मैच के दौरान समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद, वेस्टइंडीज को निर्धारित अपने पूरे 50 ओवर फेंकने के बाद दो ओवर कम पाए गए। इसके बाद जब भारत की गेंदबाजी आई तो उसके चार ओवर कम पाए गए। मैच रेफरी प्रकाश भट्ट ने ICC कोड ऑफ कंडक्ट फॉर प्लेयर्स एंड प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के आर्टिकल 2.22 के तहत यह जुर्माना लगाया।

शुभमन गिल और शे होप ने स्वीकार कर लिया है जुर्माना

इस आर्टिकल में बताया गया है कि अगर कोई टीम निर्धारित समय पर हर ओवर नहीं फेंकती है तो उस पर पांच परसेंट जुर्माना लगेगा। ये आरोप मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला और चौथे अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने लगाए थे। इसके बाद पता चला है कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल और वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने इन जुर्माने को मान लिया है। इसलिए अब इस मामले में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है।

टीम इंडिया को 350 से अधिक रन बनाने के बाद भी मिली थी हार

टीम इंडिया ने वनडे सीरीज के पहले दो मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया था, लेकिन तीसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 351 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था, उम्मीद की जा रही थी कि टीम इसे बचा लेगी, लेकिन वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में ही पांच विकेट पर 352 रन बनाकर इसे हासिल कर लिया। मैच के दौरान कप्तान शे होप ने 143 बॉल पर 162 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में सबसे अहम भूमिका अदा की।

चैंपियन वाला माइंडसेट रखने की वजह से टीम को जीत मिली है : वीवीएस लक्ष्मण

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल मैच में पाकिस्तान को 19 रनों से हराकर स्वर्ण पदक जीता। एशियन गेम्स में वीवीएस लक्ष्मण टीम इंडिया के कोच थे और उनके अंडर में टीम ने यह कारनामा किया। स्वदेश लौटने पर कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टीम की तारीफ करते हुए कहा कि लगातार दूसरी बार गोल्ड जीतना और अपने खिताब को डिफेंड करना पूरी टीम के लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है।



गोल्ड मेडल जीतने को लेकर वीवीएस लक्ष्मण ने क्या कहा?

भारतीय कोच लक्ष्मण ने न्यूज एजेंसी के हवाले से कहा कि एशियन गेम्स में टीम को खराब मौसम और कई कठिन परिस्थितियों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने डटकर मुकाबला किया। उन्होंने बताया कि टीम के प्रदर्शन से वे बेहद खुश हैं और देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात है। उनके मुताबिक, यह जीत सिर्फ खिलाड़ियों के हुनर की वजह से नहीं मिली, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत, सही सोच और मुश्किल वक्त में समझदारी से खेलने के कारण हासिल हुई है।

लक्ष्मण ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि हमारी टीम में हुनर और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ी न सिर्फ प्रतिभाशाली हैं, बल्कि वे बहुत मेहनती हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते हैं। लक्ष्मण के मुताबिक, भारत लकी है कि उसे ऐसे खिलाड़ी मिले हैं, जिनमें मेहनत के साथ-साथ हमेशा जीतने और चैंपियन बनने का जुनून है। चैंपियन वाला माइंडसेट रखने की वजह से टीम को जीत मिली है।

IND vs PAK गोल्ड मेडल मैच का हाल

फाइनल मैच की बात करें तो भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रनों का मजबूत स्कोर बनाया। अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें 7 छक्के शामिल थे। तिलक वर्मा 22 गेंदों में 51 रन बनाकर नाबाद रहे। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने भी कड़ी टक्कर दी। पाकिस्तान की तरफ से हसन नवाज ने 51 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि अंत में उनकी टीम 6 विकेट के नुकसान पर 192 रन ही बना सकी। भारत की ओर से वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए।

भुवनेश्वर कुमार हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट में संभालेंगे टीम इंडिया की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। इस बीच भुवी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। भुवनेश्वर कुमार को खास टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। दरअसल, हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम का कप्तान बनाया गया है। उनके नेतृत्व में भारत 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होने वाले वाले टूर्नामेंट में उतरेगा। 7 सदस्यीय भारतीय टीम में क्रुणाल पंड्या और नितीश राणा जैसे IPL के बड़े सितारों को जगह मिली है।

हांगकांग सिक्सेस के मुताबिक, इस साल टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत को ग्रुप C में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है। सभी मुकाबले टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में भुवनेश्वर कुमार के कंधों पर भारतीय टीम को खिताब दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

भुवनेश्वर कुमार के लिए यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता है। वह लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी मुकाबला नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ T20 इंटरनेशनल के रूप में खेला था। हालांकि, 2026 IPL में शानदार प्रदर्शन करते हुए वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद उनकी भारतीय व्हाइट-बॉल टीम में वापसी की मांग भी उठी, लेकिन अब तक उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। हांगकांग सिक्सेस में भुवनेश्वर के साथ क्रुणाल पंड्या भी भारत के अभियान का हिस्सा होंगे। दोनों IPL में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हैं। वहीं, नितीश राणा, शशांक सिंह, टी. नटराजन, राहुल त्रिपाठी और राहुल तेवतिया भी टीम में शामिल हैं।

भारत की नजर खिताब पर

हांगकांग सिक्सेस 2026 का फॉर्मेट काफी दिलचस्प है। इसमें हर टीम में 6 खिलाड़ी होते हैं और 6 ओवर फेंके जाते हैं।

पृथ्वी शॉ को बनाया गया महाराष्ट्र का कप्तान

रणजी ट्रॉफी में संभालेंगे टीम की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ 2026-27 के रणजी ट्रॉफी सीजन के पहले मैच में महाराष्ट्र टीम की कप्तानी करेंगे। महाराष्ट्र की टीम अपना पहला मैच 11 से 14 अक्टूबर तक दिल्ली के पालम A स्टेडियम में सर्विसेज के खिलाफ खेलेगी। पृथ्वी शॉ, जिन्होंने 2018 में भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताया था, उनको रेगुलर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में महाराष्ट्र टीम का नया कप्तान बनाया गया है। उन्हें सिर्फ एक मैच के लिए ये जिम्मेदारी मिली है।

ऋतुराज गायकवाड़ भारत 'ए' और ऑस्ट्रेलिया 'ए' के बीच होने वाली वनडे सीरीज में खेलने की वजह से महाराष्ट्र का पहला रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाएंगे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया है। वो पुडुचेरी में 6, 9 और 11 अक्टूबर को होने वाले तीन अनऑफिशियल वनडे मैचों में टीम की अगुवाई करते हुए नजर आएंगे। पृथ्वी शॉ की बात करें तो वो इससे पहले गायकवाड़ की कप्तानी में दलीप ट्रॉफी में खेलते हुए नजर आए थे।



महाराष्ट्र के लिए पहले सीजन में कैसा रहा गायकवाड़ का प्रदर्शन?

भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके पृथ्वी शॉ 2025-26 के रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम में शामिल हो गए थे।

महाराष्ट्र के लिए अपने पहले ही सीजन में उन्होंने 7 मैचों की 11 पारियों में 537 रन बनाए और टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

सर्विसेज टीम के खिलाफ होने वाले इस मैच के लिए पृथ्वी शॉ के अलावा अनुभवी बल्लेबाज अंकित बावने, स्पिनर विकी ओस्तवाल, ऑलराउंडर राजवर्धन हंगरगेकर और तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी को भी टीम में चुना गया है। वहीं ऋतुराज गायकवाड़ की तरह अर्शिन कुलकर्णी भी इंडिया ए टीम का हिस्सा हैं, इसलिए वे भी इस सीजन का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे।

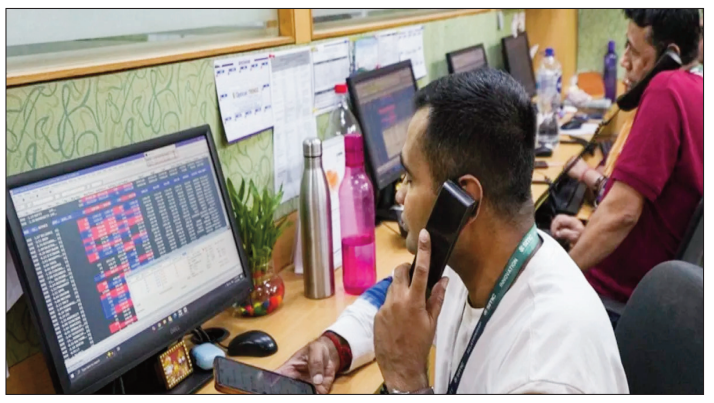
तीन नए प्लेयर को मिली महाराष्ट्र की टीम में जगह

महाराष्ट्र की रणजी टीम में सौरभ नवाले, सचिन धास और ऋषिकेश सोनावणे को चुना गया है। बीड जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव आमेर सलीम के मुताबिक, यह पहला मौका है जब बीड जिले के तीन खिलाड़ी एक साथ राज्य की मुख्य क्रिकेट टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। अब उन तीनों का प्रदर्शन इस रणजी सीजन में कैसा रहता है ये देखने वाली बात होगी।

व्यापार

सेंसेक्स 473 और निफ्टी 134 अंकों की बढ़त लेकर बंद

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार आज एक बड़ी राहत देते हुए बढ़त लेकर हरे निशान में बंद हुआ। हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में आईटीसी, एटरनल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस समेत कई शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली। हालांकि, सोमवार को एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। बताते चलें कि आज बाजार ने बढ़त लेकर ही कारोबार शुरू किया था।



0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स

सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों (0.66 प्रतिशत) की तेजी के साथ 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 133.80 अंकों (0.60 प्रतिशत) की बढ़त लेकर 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त लेकर हुए बंद

आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

आईटीसी के शेयरों में जोरदार तेजी

सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

एटरनल, भारती एयरटेल समेत इन शेयरों ने हरे निशान में बंद किया कारोबार

सोमवार को सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज एटरनल के शेयर 2.50 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.38 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.28 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.13 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.11 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.72 प्रतिशत, एलएंडटी 1.48 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.45 प्रतिशत, टाइटन 1.43 प्रतिशत, टीसीएस 1.40 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.07 प्रतिशत, पावर ग्रिड 0.92 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.87 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.82 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.73 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.66 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक 0.52 प्रतिशत, इंडिगो 0.28 प्रतिशत और बीईएल के शेयर 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।

लाल निशान में बंद हुए एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा समेत ये स्टॉक्स

वहीं दूसरी ओर, आज एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.99 प्रतिशत, सन फार्मा 1.55 प्रतिशत, इन्फोसिस 1.50 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 1.43 प्रतिशत, ट्रेंट 0.86 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक 0.83 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.61 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.05 प्रतिशत और टेक महिंद्रा के शेयर 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

गोल्ड में निवेश होगा आसान और पारदर्शी

मुंबई (एजेंसी)। गोल्ड में निवेश को आसान और व्यवस्थित बनाने के लिए एनएसई ने ऑगमोंट एंटरप्राइजेस की सब्सिडियरी ऑगमोंट गोल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड को इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख साझेदार बनाया है। साझेदारी के तहत फिजिकल गोल्ड को ईजीआर में बदलने और जरूरत पर दोबारा फिजिकल गोल्ड में परिवर्तित करने की प्रक्रिया आसान की जाएगी। ईजीआर के कारोबार को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी और जमीनी स्तर पर सहयोग भी दिया जाएगा। ईजीआर फिजिकल गोल्ड में मालिकाना हक दर्शाने वाली डिमटेरियलाइज्ड सिक्योरिटीज हैं, जिन्हें सेबी से मान्यता प्राप्त वॉल्ट में रखे गोल्ड से समर्थन मिलता है। इन्हें एक्सचेंज पर खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे निवेशकों को बेहतर लिक्विडिटी और गोल्ड में छोटी मात्रा से निवेश की सुविधा मिलेगी।

बेहतर प्लानिंग के साथ अब 'हर कल आसान'

मुंबई (एजेंसी)। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने नई ब्रांड पहचान और टैगलाइन 'हर कल आसान' लॉन्च की है। कंपनी अब आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के नाम से अपनी नई पहचान के साथ आगे बढ़ेगी। कंपनी के अनुसार, नई ब्रांड पहचान जीवन बीमा को सरल, पारदर्शी, लचीला और ग्राहकों के लिए आसान बनाने के उद्देश्य पर आधारित है। मार्केटिंग, डिजिटल और बैंकेश्योरेंस प्रमुख श्रीनिवास बालासुब्रमण्यन ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में कंपनी ने 20 करोड़ से अधिक भारतीयों के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद की है। बदलती पारिवारिक जरूरतों, करियर और वित्तीय प्राथमिकताओं के बीच भविष्य की योजना चुनौतीपूर्ण हो गई है। नई पहचान के जरिए कंपनी ग्राहकों को बेहतर जानकारी के साथ आत्मविश्वास से वित्तीय फैसले लेने में मदद करना चाहती है।

65% के छप्परफाड़ प्रीमियम के साथ हुई IPO की लिस्टिंग, 92.27 गुना मिला था सब्सक्रिप्शन

मुंबई (एजेंसी)। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड आज शेयर बाजारों में लिस्ट हो गई। सोमवार को कंपनी के शेयर 65 प्रतिशत से भी ज्यादा प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर ओरिएंट केबल्स के शेयरों ने 272 रुपये के इश्यू प्राइस की तुलना में 448.10 रुपये के भाव पर कारोबार शुरू किया, जो इश्यू प्राइस की तुलना में 64.74 प्रतिशत ज्यादा है। एनएसई पर भी कंपनी के शेयर इश्यू प्राइस की तुलना में 65.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 450 रुपये पर लिस्ट हुए।

हालांकि, लिस्टिंग के बाद निवेशकों ने जमकर प्रॉफिट बुकिंग की, जिसकी वजह से शेयरों में लोअर सर्किट भी लग गया। सुबह 10:10 बजे बीएसई पर ओरिएंट केबल्स के शेयरों में लिस्टिंग प्राइस की तुलना में 44.80 रुपये (10.00%) की गिरावट के साथ लोअर सर्किट लगा हुआ था और ये 403.30 रुपये के भाव पर थे। इसी तरह, एनएसई पर भी कंपनी के शेयरों का भाव, लिस्टिंग प्राइस की तुलना में 45.00 रुपये (10.00%) की गिरावट के साथ 405.00 रुपये पर आ गया था।

बताते चलें कि ओरिएंट केबल्स का आईपीओ 25 सितंबर को खुला था और 29 सितंबर को बंद हुआ था। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों का बंपर सपोर्ट मिला और ये आईपीओ कुल 92.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी ने अपने आईपीओ के तहत, 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर के लिए 258 रुपये से 272 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया था। 29 सितंबर को आईपीओ बंद होने के बाद निवेशकों को 30 सितंबर को शेयर अलॉट किए गए थे और 1 अक्टूबर को डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए गए थे। ओरिएंट केबल्स ने अपने आईपीओ के तहत कुल 2,02,94,114 शेयर जारी कर 552 करोड़ रुपये जुटाए थे। इनमें 320 करोड़ रुपये के 1,17,64,705 फ्रेश शेयर जारी किए गए थे और 232 करोड़ रुपये के 85,29,409 शेयर ओएफएस के जरिए जारी किए गए थे।

नवी मुंबई से ऑपरेट होंगी मुंबई की फ्लाइट्स!

मुंबई (एजेंसी)। नागर विमानन मंत्रालय ने मंगलवार को एयरलाइन कंपनियों और अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के प्रतिनिधियों की एक अहम मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट से कुछ इंटरनेशनल फ्लाइट्स को नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से ऑपरेट करने के प्रस्ताव पर चर्चा होनी है। सूत्रों ने ये जानकारी दी है। बताते चलें कि जनवरी 2027 से मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 (T1) का रीडेवलपमेंट शुरू होने वाला है।

मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल 1 के इस रीडेवलपमेंट की वजह से एयरलाइन कंपनियों को 25 अक्टूबर से अपने इंटरनेशनल फ्लाइट्स में एक-तिहाई की कटौती करने या फ्लाइट्स को नवी मुंबई एयरपोर्ट से ऑपरेट करने के लिए कहा गया है। बताते चलें कि अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ही मुंबई एयरपोर्ट और नवी मुंबई एयरपोर्ट को ऑपरेट करती है। हालांकि, एयरलाइन कंपनियों ने इस कदम को लेकर चिंता जताई है। वहीं, अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स का कहना है कि टर्मिनल 1 के भविष्य को लेकर 2020 से ही एयरलाइन कंपनियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में होने वाली इस अहम मीटिंग में अडाणी एयरपोर्ट्स सहित इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और अन्य एयरलाइन कंपनियों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

6 अक्टूबर से महंगी होंगी फ्लाइट टिकट

मुंबई (एजेंसी)। मंगलवार, 6 अक्टूबर से फ्लाइट टिकट महंगी होने जा रही हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने ATF (एविएशन फ्यूल) की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखते हुए डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने की घोषणा की है। इंडिगो ने सोमवार को बताया कि नया फ्यूल सरचार्ज 6 अक्टूबर से लागू होगा, जिससे हवाई सफर महंगा हो जाएगा।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एक बयान में कहा कि डोमेस्टिक फ्लाइट्स के लिए दूरी के आधार पर फ्यूल सरचार्ज में 100 रुपये से लेकर 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही, इंडिगो ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए फ्यूल सरचार्ज में बढ़ोतरी की है।

इंडिगो ने डोमेस्टिक फ्लाइट्स को लेकर बताया कि 6 अक्टूबर को 00:01 बजे से 500 किमी तक की यात्रा पर प्रत्येक यात्री से 375 रुपये, 1000 किमी तक की यात्रा के लिए 600 रुपये, 1500 किमी तक की यात्रा के लिए 900 रुपये, 2000 किमी तक की यात्रा के लिए 1150 रुपये और 2000 किमी से ज्यादा की यात्रा के लिए 1300 रुपये का फ्यूल सरचार्ज वसूला जाएगा।

इंडिगो ने बताया कि इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर प्रत्येक यात्री को 1000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज देना होगा। इंडिगो ने सार्क देशों में 500 किमी तक की यात्रा के लिए 1000 रुपये, 501 किमी से ज्यादा की यात्रा के लिए 3000 रुपये, दक्षिण पूर्व एशिया की यात्रा के लिए 5500 रुपये, खाड़ी देशों और मध्य पूर्व की यात्रा के लिए 5500 रुपये, उत्तरी और पूर्वी एशिया की यात्रा के लिए 5500 रुपये, अफ्रीका की यात्रा के लिए 6000 रुपये और यूरोप की यात्रा के लिए 10,000 रुपये का फ्यूल सरचार्ज फिक्स किया है।

ATF की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से एयरलाइन कंपनियों पर बढ़ा दबाव

इंडिगो ने कहा कि ATF की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और इसमें हाल ही में महीने-दर-महीने 14% से ज्यादा की बढ़त भी शामिल है।

ATF की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण इंडिगो को अपने ऑपरेशनल कॉस्ट स्ट्रक्चर में बदलाव करना पड़ा है, ताकि तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव निपटा जा सके। इंडियो ने बयान में कहा, "ATF, किसी भी एयरलाइन कंपनी की परिचालन लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए कीमतों में इस बढ़ोतरी से इंडिगो समेत सभी एयरलाइन कंपनियों की लागत संरचना और नेटवर्क से जुड़ी आर्थिक स्थिति प्रभावित होने की आशंका है।"

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन, 200 से अधिक वृद्धजनों का हुआ उपचार





बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बिलासपुर में मोबाइल मेडिकल यूनिट (MMU) के माध्यम से वृद्धजनों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

शिविर में 200 से अधिक वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही, मरीजों को उनकी आवश्यकता एवं चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार नि:शुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं।

इस अवसर पर बिलासपुर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का निरीक्षण किया तथा शिविर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के संबंध में आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, शिविर के सफल संचालन और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

शिविर का आयोजन एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर कृतिका अग्रवाल एवं सारिका सूर्यवंशी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान चिकित्सक डॉ. प्रज्ञा दुबे एवं डॉ. सीमा राजपुरोहित सहित मोबाइल मेडिकल यूनिट के समस्त स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों एवं वरिष्ठजनों तक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आयोजित यह शिविर वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया

रायपुर ■ दैनन्दिनी





माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा पितृ पक्ष की पावन अवसर पर श्रीमती सुधा गुप्ता, अपनी पति की पुण्यतिथि में और जवाहर गुप्ता अपनी पत्नी की पुण्य तिथि में ट्रस्ट के माध्यम से भंडारा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर सुदूरवर्ती क्षेत्रों से एम्स हॉस्पिटल में ईलाज करवाने आये, जरूरत मंद मरीज़ो एवं उनके सहयोगी जनों के लिए भरपेट भोजन प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। काफी संख्या में लोगों की भीड़ रही, बाहर से आए हुए लोग ट्रस्ट से इस सेवा कार्य की सराहना किए ,1500 के आसपास लोग इसका लाभ लिए। इस कार्य में डॉ. श्रीमती नीता प्राणेश गुरु गोस्वामी, संगठन प्रभारी, श्रीमती कल्पना शुक्ला जिला अध्यक्ष ,श्रीमती मनोरमा बाजपेई सुंदर नगर प्रभारी, श्रीमती लक्ष्मी अवस्थी डगरिया प्रभारी, नमिता पात्रा , सुधा गुप्ता,सरोज शुक्ला, राधा साहू उपस्थित रहे। ट्रस्टी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) ने इस कार्य के लिए सबको साधुवाद दिए।

सिंचाई का पानी बना किसानों का सहारा, घोंघा और अरपा-भैंसाझार से खेती को मिला संबल





बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। खेती के लिए समय पर पानी की उपलब्धता किसानों की बड़ी जरूरत है। जिले में घोंघा मध्यम जलाशय और अरपा-भैंसाझार बैराज परियोजनाएं इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंचता पानी किसानों की मेहनत को संबल दे रहा है। जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित इन परियोजनाओं से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

कोटा विकासखंड के ग्राम पटैता में निर्मित घोंघा मध्यम जलाशय परियोजना क्षेत्र के 49 गांवों के किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख आधार है। परियोजना से 8,343 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। लगभग 104.20 किलोमीटर लंबी मुख्य, शाखा एवं वितरक नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। वर्ष 1979 में शुरू हुई इस परियोजना का निर्माण वर्ष 1981 में पूर्ण हुआ था। जलाशय की जलभराव क्षमता 3 करोड़ 7 लाख घन मीटर है।

यहां मत्स्य पालन से स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर भी मिल रहे हैं। अरपा-भैंसाझार बैराज परियोजना से भी किसानों को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। वर्ष 2025-26 में परियोजना के माध्यम से 13,165 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की गई। वर्ष 2026-27 में 17,900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 4,735 हेक्टेयर अधिक कृषि भूमि तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का लक्ष्य है। परियोजना की कुल सिंचाई क्षमता 25 हजार हेक्टेयर है।

कोटा विकासखंड में निर्मित अरपा-भैंसाझार परियोजना के सिंचाई संबंधी निर्माण कार्य वर्ष 2019 में पूर्ण हुए। परियोजना का जलग्रहण क्षेत्र लगभग 1,693.86 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 56.640 किलोमीटर मुख्य नहर, 102.600 किलोमीटर वितरक नहर और 21.130 किलोमीटर शाखा नहर की व्यवस्था है। इन नहरों के माध्यम से कृषि भूमि तक पानी पहुंचाकर सिंचाई की जरूरत पूरी की जा रही है। घोंघा और अरपा-भैंसाझार परियोजनाएं खेतों की सिंचाई के साथ जल संसाधनों के बेहतर उपयोग का माध्यम बन रही हैं। इनसे किसानों को खेती के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है और क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को बल मिल रहा है।

आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च की अपनी नई ब्रांड पहचान

मुंबई (दैनंदिनी ब्यूरो)। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड (जिसे पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने आज अपनी नई ब्रांड पहचान और टैगलाइन- 'हर कल आसान' की घोषणा की।

आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के मार्केटिंग, डिजिटल और बैंकेश्योरेंस प्रमुख, श्री श्रीनिवास बालासुब्रमण्यन ने नई ब्रांड पहचान और टैगलाइन के बारे में कहा, "आईसीआईसीआई नाम देश के लाखों लोगों के जीवन में भरोसे, मज़बूती और वित्तीय पहुँच के प्रतीक के तौर पर विशेष स्थान रखता है। पिछले 25 साल में, हमें 20 करोड़ से ज़्यादा भारतीयों के सपनों और भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करने का सौभाग्य मिला है। इस सफर के दौरान, हमने भारत की शानदार तरक्की और लोगों की उम्मीदों में आए बड़े बदलाव देखे हैं।"

उन्होंने कहा, "आज की तेज़-रफ्तार दुनिया में जटिलता और अनिश्चितता बढ़ गई है। करियर के बदलते मार्ग, बदलते पारिवारिक ढाँचे, लंबी जीवन अवधि और बदलती वित्तीय प्राथमिकताओं के मद्देनज़र दीर्घकालिक योजना पहले से कहीं ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हो गई है। इन अनिश्चितताओं से निपटने में जीवन बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन जहाँ तक वित्तीय भविष्य का सवाल है उसे सुरक्षित करने का अनुभव पारंपरिक रूप से अक्सर जटिल माना जाता रहा है।" उन्होंने कहा, "आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस का मानना है कि आने वाले कल की तैयारी से स्पष्टता, आत्मविश्वास और मन की शांति मिले, न कि जीवन की जटिलताएँ बढ़े।

हमारी नई ब्रांड पहचान सिर्फ नाम बदलने तक सीमित नहीं है। यह वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के अनुभव को सरल, पारदर्शी, लचीला और आसान बनाने से जुड़े हमारे वादे को स्पष्ट करती है। अपनी 25 साल की मज़बूत बुनियाद पर आगे बढ़ते हुए, हम ग्राहकों के लिए अपने महत्व को और बढ़ाएँगे, उद्योग में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेंगे और वर्ष 2047 तक सभी के लिए बीमा' के राष्ट्रीय लक्ष्य में सक्रिय रूप से योगदान देंगे।"

बिजली के बढ़े दामों के खिलाफ कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान, घर-घर पहुंचकर जुटाया जनसमर्थन

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आदेशानुसार एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के निर्देश पर बढ़ी हुई बिजली दरों को वापस लेने तथा स्मार्ट मीटर के स्थान पर सामान्य मीटर लगाए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 38, दिग्विजय वार्ड में कांग्रेस नेता विशु अजमानी एवं सागर ताम्रकार ने घर-घर पहुंचकर वार्डवासियों से मुलाकात की। इस दौरान नागरिकों ने बिजली बिलों में बढ़ोतरी तथा स्मार्ट मीटर को लेकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव साझा किए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं



ने नागरिकों से हस्ताक्षर करवाए और आवेदन फॉर्म भरवाकर बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी वापस लेने, स्मार्ट मीटर के स्थान पर सामान्य मीटर लगाए जाने सहित अन्य मांगों को दर्ज किया।

कांग्रेस नेता विशु अजमानी ने कहा कि बिजली प्रत्येक परिवार की मूलभूत आवश्यकता है। बिजली बिलों में होने वाली बढ़ोतरी का असर आम परिवारों के घरेलू बजट पर पड़ता है। आम उपभोक्ताओं की समस्याओं और मांगों को सामने लाने के उद्देश्य से कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच पहुंचकर हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं।

सागर ताम्रकार ने कहा कि वार्डवासियों ने बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर को लेकर अपनी समस्याएं एवं चिंताएं साझा की हैं। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नागरिकों की मांगों को एकजुट रूप से संबंधित स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। आम उपभोक्ताओं के हित में बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी पर पुनर्विचार किया जाना आवश्यक है। इस दौरान लकी साहू, हर्षिल भलावे, प्रियांश भिमटे, सोमिल जैन, जुगल ताम्रकार, अंशुल श्रीवास्तव एवं देवेंद्र देवांगन सहित युवा साथियों ने अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई।

कीमती ज्वेल्स ने बिलासपुर में नया स्टोर शुरू कर छत्तीसगढ़ में किया प्रवेश, उत्तर भारत में बढ़ाया विस्तार

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। अरमान कोठारी द्वारा स्थापित और कोठारी ग्रुप, आंत्रप्रेन्योर निखिल कामथ और कविन शाह के सहयोग से संचालित भारत के भरोसेमंद और किफायती डायमंड ज्वेलरी ब्रांड कीमती ज्वेल्स ने बिलासपुर में अपना नया स्टोर शुरू किया है। इसके साथ ब्रांड ने छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया है। केएच नंबर 511/36, कैफिनो और बेबीहग के पास, प्लेटिनम शू मॉल के सामने, अग्रसेन चौक, लिंक रोड, बिलासपुर- 495001 में स्थित यह स्टोर लॉन्च के सिर्फ चार महीनों में कीमती का 10वाँ रिटेल स्टोर है। यह प्रमुख भारतीय बाजारों में ब्रांड के तेजी से बढ़ते रिटेल नेटवर्क और लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी की बढ़ती पसंद को उजागर करता है।

बिलासपुर में पहला स्टोर शुरू करने के साथ छत्तीसगढ़ में कीमती का प्रवेश देशभर में चल रहे इसके रिटेल विस्तार की दिशा में एक और कदम है। मुंबई, पुणे, इंदौर और दिल्ली-एनसीआर जैसे बाजारों में पहले से मौजूदगी के साथ बिलासपुर में लॉन्च के जरिए ब्रांड स्थापित और उभरते, दोनों तरह के ज्वेलरी बाजारों में विस्तार कर रहा है। यहाँ भी कीमती का फैक्ट्री-डायरेक्ट और वैल्यू-ड्रिवन मॉडल ग्राहकों तक पहुँचेगा। आने वाले समय में कई प्रमुख बाजारों में नए स्टोर शुरू किए जाने की योजना है। इसके साथ कीमती उत्तर भारत में अपनी मौजूदगी और समकालीन लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी के रिटेल नेटवर्क को और मजबूत कर रहा है।





कीमती की खासियत इसका फैक्ट्री-डायरेक्ट और वर्टिकली इंटीग्रेटेड मॉडल है। इससे मैन्युफैक्चरिंग और ग्राहक के बीच की पारंपरिक कई परतें कम होती हैं और ब्रांड को बाजार में प्रति कैरेट डायमंड की किफायती कीमतें देने में मदद मिलती है। इसके जरिए कीमती सर्टिफाइड लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर ग्राहकों तक पहुंचाता है। साथ ही, ब्रांड का फोकस मॉडर्न डिजाइन, कारीगरी और पारदर्शिता पर भी बना हुआ है।

बिलासपुर स्टोर में कीमती का ज्वेलरी पोर्टफोलियो उपलब्ध होगा, जिसमें रोजमर्रा में पहने जाने वाले ज्वेलरी पीसेस से लेकर खास मौकों के लिए तैयार किए गए डिजाइन शामिल हैं। इसमें रिंग्स, ईयररिंग्स, ब्रेसलेट्स, पेंडेंट्स और नेकलेसेस शामिल हैं। इन कलेक्शंस में सर्टिफाइड लैब-ग्रोन डायमंड और बीआईएस हॉलमार्क वाला गोल्ड और सिल्वर इस्तेमाल किया गया है। इन्हें ऐसे ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो फाइन ज्वेलरी को ज्यादा बार पहनना, अलग-अलग तरह से स्टाइल करना और खरीदारी में ज्यादा पारदर्शिता चाहते हैं। स्टोर पर ग्राहकों को प्रोडक्ट चुनने, स्टाइलिंग और कस्टमाइजेशन में भी पर्सनलाइज्ड सहायता मिलेगी।

बिलासपुर में स्टोर लॉन्च पर बात करते हुए, अरमान कोठारी, फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर, कीमती, ने कहा, "बिलासपुर में विस्तार कीमती के सफर में एक और अहम् कदम है। इसके माध्यम से हम देशभर के ग्राहकों तक मॉडर्न लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी पहुँचाने की अपनी कोशिश को आगे बढ़ा रहे हैं। हम देख रहे हैं कि पारंपरिक ज्वेलरी बाजारों से बाहर भी लोगों की रुचि बढ़ रही है। खासकर युवा ग्राहक ज्वेलरी खरीदते समय क्वालिटी, डिजाइन और बेहतर वैल्यू को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। बिलासपुर हमारे लिए अपने फैक्ट्री-डायरेक्ट मॉडल को नए ग्राहकों तक पहुँचाने और फाइन ज्वेलरी को ज्यादा लोगों के लिए आसान, पारदर्शी और हर दिन की जरूरतों के मुताबिक बनाने का अच्छा मौका है। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, हमारा फोकस ऐसा रिटेल एक्सपीरियंस तैयार करने पर है, जो हमारी मैन्युफैक्चरिंग विरासत को आज के ज्वेलरी ग्राहकों की बदलती उम्मीदों के साथ जोड़े।"

बिलासपुर में स्टोर ऐसे समय में शुरू हुआ है, जब भारत में ज्वेलरी खरीदने का तरीका बदल रहा है। खासकर युवा ग्राहक अब ज्वेलरी को सिर्फ खास मौकों या निवेश के लिए खरीदने तक सीमित नहीं रखना चाहते। कीमती इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए लैब-ग्रोन डायमंड को ऐसी फाइन ज्वेलरी के रूप में पेश कर रहा है, जिसे लोग ज्यादा बार खरीद और पहन सकें। यह किसी खास मौके, रोजमर्रा के लुक को बेहतर बनाने या अपनी पसंद के लिए खरीदी जा सकती है, बिना डायमंड ज्वेलरी से जुड़े क्वालिटी, कारीगरी और आकर्षण से समझौता किए।

पुलिस अधीक्षक ने दिव्यांग खिलाड़ी देव सिंह को किया सम्मानित

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिला में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले जिले के दिव्यांग खिलाड़ी देव सिंह को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा देव सिंह की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं तथा दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सहयोग भी प्रदान किया।



दिव्यांग खिलाड़ियों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

ग्राम कोदवा, पोस्ट सोनबरसा, तहसील एवं जिला कबीरधाम निवासी देव सिंह ने दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में 59 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया। भिलाई स्थित प्रगति भवन, ऑफिसर्स एसोसिएशन, बी.एस.पी. सिविक सेंटर में आयोजित प्रतियोगिता में देव सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। देव सिंह ने स्क्वाट में 100 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 50 किलोग्राम तथा डेडलिफ्ट में 60 किलोग्राम, कुल 210 किलोग्राम भार उठाकर 59 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम स्थान एवं गोल्ड मेडल हासिल किया।

राष्ट्रीय स्तर पर कबीरधाम का प्रतिनिधित्व करेंगे देव सिंह

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद देव सिंह आगामी राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता, दिल्ली में हिस्सा लेने की तैयारी कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने देव सिंह को प्रोत्साहित करते हुए उनकी राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी एवं दिल्ली जाने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने देव सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में जिले के खिलाड़ियों की उपलब्धियां गौरव की बात हैं। उन्होंने देव सिंह को राष्ट्रीय स्तर पर भी पूरी मेहनत और लगन के साथ प्रदर्शन कर कबीरधाम जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। देव सिंह की यह उपलब्धि जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है और यह दर्शाती है कि निरंतर अभ्यास, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में छत्तीसगढ़ की बेस्ट प्रैक्टिस को राष्ट्रीय पहचान

सबके लिए आवास के संकल्प को छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता से कर रहा साकार : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ में धरातल पर उतारने के लिए किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के परिवारों को किफायती और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य की कार्यप्रणाली को भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने 'बेस्ट प्रैक्टिस' के रूप में पुरस्कृत किया है। विश्व पर्यावास दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। राज्य की ओर से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा SUDA के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सुमित अग्रवाल ने सम्मान ग्रहण किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, SUDA और नगरीय निकायों की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस और एलआईजी परिवारों के लिए भूमि आरक्षण तथा एएचपी के माध्यम से किफायती आवास उपलब्ध कराने की पहल को राष्ट्रीय सम्मान मिलना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उनका कहना है कि पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र



परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे।

निजी कॉलोनियों में भूमि आरक्षण से 25,413 आवासों के लिए जमीन

शहरी गरीब और निम्न आय वर्ग के लिए आवास निर्माण में भूमि की उपलब्धता बड़ी चुनौती रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने निजी कॉलोनियों में ईडब्ल्यूएस-एलआईजी वर्ग के लिए भूमि आरक्षण के प्रावधान को प्रभावी ढंग से लागू किया। इसके परिणामस्वरूप 25 हजार 413 आवासों के निर्माण के लिए बिना सरकारी खर्च के भूमि उपलब्ध हुई है। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के तहत 17 हजार 790 और योजना 2.0 के तहत 7 हजार 623 आवास शामिल हैं। इस पहल से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवारों को शहरों के बाहरी हिस्सों तक सीमित रहने के बजाय नियोजित कॉलोनियों और विकसित शहरी क्षेत्रों में आवास मिलने का रास्ता खुला है। इससे सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं तक उनकी पहुंच भी बेहतर होने की संभावना है।

जमीन से आवास निर्माण तक निगरानी

उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने शहरी गरीबों के आवास के लिए केवल योजना बनाने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि जमीन की उपलब्धता से लेकर किफायती घर के निर्माण तक प्रभावी व्यवस्था विकसित की है। परियोजनाओं की स्वीकृति, निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता की नियमित निगरानी की जा रही है। उन्होंने इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों और नगरीय निकायों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जरूरतमंद परिवारों को तेजी से सम्मानजनक और किफायती आवास उपलब्ध कराने के प्रयासों को और गति देने के लिए प्रेरित करेगी। विश्व पर्यावास दिवस पर मिला यह सम्मान 'सबके लिए आवास' की दिशा में छत्तीसगढ़ की कार्यप्रणाली को मिली राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सलका में रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर

रक्तदान से जरूरतमंदों को मिलता है जीवन का संबल : लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर ■ दैनन्दिनी

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक सहयोग है। आपात स्थिति में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समाज के जागरूक नागरिकों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने युवाओं सहित सभी पात्र नागरिकों से रक्तदान के लिए आगे आने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य जांच के साथ जागरूकता का संदेश

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को रक्तदान के महत्व और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी दी। कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह, बीपीएम कंचन देवांगन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



मंत्री राजवाड़े सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड भैयाथान के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलका में आयोजित रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में शामिल हुईं। शिविर में 11 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जबकि 77 नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की गई। मंत्री ने रक्तदाताओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आवश्यक है। नागरिक शासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें और नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान समाज के हर वर्ग को सेवा और जनकल्याण के कार्यों से जोड़ने का अवसर है। स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता से जुड़ी गतिविधियों में सामूहिक भागीदारी से अभियान का उद्देश्य पूरा होगा। मंत्री ने छुआछूत और भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर कर समानता, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण की भावना को जनभागीदारी से आगे बढ़ाना अभियान का उद्देश्य है। वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि रक्तदान समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का ऐसा कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने की अपील की।

प्रिंस ढाबा तोड़ने पहुंची प्रशासन की टीम: संचालक ने खुद पर उड़ेला पेट्रोल, मौके पर भारी पुलिसबल तैनात

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के सड्डू स्थित प्रिंस ढाबे में सोमवार को उस समय गहमागहमी की स्थिति बन गई, जब प्रशासन की टीम बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ ढाबे को अवैध बताकर तोड़ने पहुंची। इस दौरान ढाबा संचालक ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए कार्रवाई को स्थगित कर दिया। प्रशासन द्वारा ढाबे को अवैध बताते हुए तोड़ने की कार्रवाई शुरू की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान ढाबा संचालक और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बातचीत हुई। मुख्य



विवाद ढाबे की जमीन के सीमांकन को लेकर सामने आया। ढाबा संचालक ने आरोप लगाया कि बिना सीमांकन किए ही प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। संचालक का यह भी आरोप है कि मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के बावजूद प्रशासन कार्रवाई कर रहा है। इसी मुद्दे को लेकर मौके पर अधिकारियों और ढाबा संचालक के बीच काफी देर तक बातचीत होती रही।

कोर्ट के ऑर्डर तक कार्रवाई स्थगित

प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई को स्थगित कर दिया है। इस मामले में तहसीलदार का कहना है कि कोर्ट का ऑर्डर आने तक कार्रवाई को स्थगित किया गया है। कार्रवाई के विरोध में ढाबा संचालक ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया और आग लगाने की कोशिश की, जिससे हड़कंप मच गया। स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

रायपुर एयरपोर्ट के नए डायरेक्टर होंगे मोहम्मद आरिफ

रायपुर

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर के नए एयरपोर्ट डायरेक्टर के रूप में मोहम्मद आरिफ की नियुक्ति की है। आरिफ 6 अक्टूबर से एयरपोर्ट डायरेक्टर का कार्यभार संभालेंगे। मोहम्मद आरिफ मूलतः वाणिज्यिक (Commercial) विभाग है। वे एक अनुभवी विमानन एवं एयरपोर्ट प्रोफेशनल हैं, और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। इससे पूर्व वे बागडोगरा एयरपोर्ट तथा कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एयरपोर्ट डायरेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। दो महत्वपूर्ण हवाई अड्डों के एयरपोर्ट डायरेक्टर के रूप में कार्य करने का उनका व्यापक अनुभव एयरपोर्ट संचालन, प्रशासन, यात्री सुविधाओं एवं यात्री सेवा से जुड़े विभिन्न पहलुओं में रहा है। मोहम्मद आरिफ के अनुभव एवं नेतृत्व से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर में यात्री सुविधाओं और सेवाओं को और



बेहतर बनाने तथा यात्रियों के समग्र अनुभव को और उत्कृष्ट बनाने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी। उनके कार्यभार संभालने से रायपुर एयरपोर्ट के संचालन एवं यात्री-केंद्रित सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

छत्तीसगढ़ पुलिस में बड़ा फेरबदल 7 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। गृह विभाग ने एएसपी और डीएसपी स्तर के 7 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें मुख्यमंत्री सुरक्षा, राजभवन सुरक्षा, वीआईपी सुरक्षा और मैदानी पुलिसिंग से जुड़े पद शामिल हैं। जारी सूची के अनुसार सचिन्द्र चौबे को पीटीएस मैनपाट से स्थानांतरित कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा, रायपुर की जिम्मेदारी दी गई है। आलोक तिवारी को मुख्यमंत्री सुरक्षा से सहायक सेनानी, 4वीं वाहिनी छसबल, माना रायपुर भेजा गया है। गिरीश कोरी को राजभवन सुरक्षा से सहायक सेनानी, वीआईपी सुरक्षा वाहिनी, माना रायपुर पदस्थ किया गया है। वहीं दिनेश सिंह को मुख्यमंत्री सुरक्षा से हटाकर सहायक सेनानी, राजभवन सुरक्षा, रायपुर की जिम्मेदारी दी गई है। नीलकिशोर अवस्थी को राजभवन सुरक्षा से सहायक सेनानी, वीआईपी सुरक्षा वाहिनी, माना रायपुर भेजा गया है। मैदानी पुलिसिंग में भी बदलाव किया गया है। मयंक रणसिंह को SIA नवा रायपुर से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (SDOP).

ग्रेड-पे बढ़ाने की मांग, नर्सिंग स्टाफ 7 अक्टूबर से करेंगे चरणबद्ध प्रदर्शन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ ने ग्रेड पे बढ़ाए जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। एसोसिएशन के मुताबिक 7 अक्टूबर 2026 से चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। पहले चरण में 7 अक्टूबर को भोजन अवकाश के दौरान प्रदेश के ब्लॉक और जिला स्तर पर स्वास्थ्य संस्थानों के बाहर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव के नाम का ज्ञापन अपने संस्था प्रमुख तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा। आंदोलन के अगले चरण में 30 अक्टूबर 2026 को राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन और महारैली प्रस्तावित है। एसोसिएशन ने बड़ी संख्या में



नर्सिंग स्टाफ के इस प्रदर्शन में शामिल होने की बात कही है। वहीं, मांगों पर समाधान नहीं होने की स्थिति में 18 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने की घोषणा की गई है। संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुमन शर्मा ने बताया कि नर्सिंग स्टाफ का ग्रेड पे बढ़ाए जाने की मांग को लेकर 2018 में आंदोलन किया गया था। आंदोलन के दौरान नर्सेस को जेल में ठूंस दिया गया था। कठोर यातनाएं दी गई थी, जिसके पश्चात नर्सेस की लंबित मांगों के निराकरण के लिए शासन द्वारा कमेटी गठन कर ग्रेड पे बढ़ाने संबंधी अनुशंसाएं की गई थी, लेकिन वह अनुशंसा आज 8 साल बीत जाने के बावजूद लागू नहीं की गई। उन्होंने कहा, नर्सों ने विगत कई वर्षों से लिखित, मौखिक अनेक निवेदन और पत्राचार मंत्रियों अधिकारियों से किया है, लेकिन एक भी मांग आज तक पूरी नहीं हुई। मांगों के निराकरण न होने की दशा में 2023 में भी नर्सेस द्वारा छत्तीसगढ़ हेल्थ फेडरेशन के बैनर तले आंदोलन किया गया। फिर भी कोई निराकरण नहीं हुआ। बदले में 2500 से भी अधिक कर्मचारियों को निलंबन और बर्खास्तगी की सजा भुगतनी पड़ी थी। ऐसे में अब प्रदेशभर के स्टाफ नर्स और नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी निराश और आक्रोशित होकर आंदोलन का रुख करने को विवश हो रहे हैं। नर्सों ने इस बार स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि अगर इस बार ग्रेड पे में वृद्धि नहीं की गई तो 30 अक्टूबर को प्रदेशभर की नर्सेस राजधानी में विशाल महारैली का आयोजन करेंगे। दिवाली तक उनकी मांगें नहीं मानी गई तो उसके बाद अनिश्चितकालीन आंदोलन का आगाज होगा। इससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। इसकी सूचना सरकार को दे दी गई है।

कोल लेवी घोटाला: EOW ने पेश किया 9500 पन्नों का पूरक चालान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कथित कोल लेवी घोटाले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) ने सुमीत कपूर की विशेष अदालत में आज चार्जशीट पेश किया. 12 आरोपियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने 9500 पन्ने का 6वाँ पूरक चालान पेश किया है, जिसमें देवेंद्र यादव, विनोद तिवारी, चंद्रदेव राय, पीयूष साहू, आरपी सिंह, जोगेन्द्र सिंह, राहुल मिश्रा, जेपी मौर्या, दीपेश टांक, रामगोपाल अग्रवाल, रामप्रताप सिंह, सुनील अग्रवाल को आरोपी बनाया है. छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी प्रकरण साल 2020 से 2022 के दौरान कोयला परिवहन पर लगाया गया अवैध शुल्क था. जांच एजेंसियों के अनुसार, राज्य में ऑनलाइन ई-परमिट प्रणाली में बदलाव कर मैन्युअल अनापत्ति प्रमाण पत्र व्यवस्था लागू की गई थी. इसके तहत खदानों से कोयला निकालने और उसके सुचारू परिवहन के एवज में प्रति टन 25 रुपए की दर से अवैध वसूली (कोल लेवी) करने का एक समानांतर सिंडिकेट खड़ा किया गया था. इस प्रक्रिया से प्रतिदिन करोड़ों रुपये की काली कमाई जुटाई जाती थी, जिसका एक बड़ा हिस्सा अधिकारियों, बिचौलियों और राजनीतिक संरक्षण देने वाले व्यक्तियों के बीच नियमित रूप से वितरित किया जाता था. जांच एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2022 के दौरान प्रति टन 25 रुपए की अवैध लेवी वसूली के जरिए लगभग 500 से 540 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध राशि एकत्रित किए जाने का अनुमान लगाया गया है. जांच रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि इस काली कमाई में से प्रतिदिन 2 से 3 करोड़ रुपये की वसूली की जाती थी, जिसका एक बड़ा हिस्सा बेनामी संपत्तियों की खरीद, राजनेताओं के चुनावी व व्यक्तिगत खर्चों तथा प्रशासनिक अधिकारियों में वितरण के लिए इस्तेमाल किया गया.

रायपुर निगम में प्रशासनिक फेरबदल, 11 अधिकारियों की नई पदस्थापना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर नगर पालिक निगम में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर आयुक्त संबित मिश्रा ने बड़ा फेरबदल किया है। सामान्य प्रशासन



विभाग के तहत जारी आदेश में मुख्यालय और विभिन्न जोनों में पदस्थ अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से प्रभावी रहेगी।

कार्यपालन अभियंताओं के जोन बदले-आदेश के अनुसार पदमाकर श्रीवास को मुख्यालय से जोन क्रमांक-5 का कार्यपालन अभियंता बनाया गया है। लाल महेन्द्र प्रताप सिंह को जोन-5 से जोन-6 और दिनेश कुमार सिन्हा को जोन-6 से जोन-10 भेजा गया है। वहीं गजाराम कंवर को जोन-10 से मुख्यालय की उद्यान शाखा में पदस्थ किया गया है।

सहायक अभियंताओं को भी नई जिम्मेदारी-शत्रुघन देशलहरे को जोन-7 से जोन-8 भेजा गया है। दीपक देवांगन को जोन-4 से प्रभारी कार्यपालन अभियंता मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई है। वे योजना शाखा, 15वें वित्त और लोक कर्म विभाग का काम देखेंगे। संदीप तिवारी को मुख्यालय से जोन-4 भेजा गया है। वहीं संस्कार शर्मा को मुख्यालय से महापौर कार्यालय, 15वें वित्त आयोग एवं उद्यान शाखा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्वच्छ भारत मिशन समेत अन्य शाखाओं में भी बदलाव-वसीम खान, उप अभियंता जोन-10 को प्रभारी सहायक अभियंता, स्वच्छ भारत मिशन बनाया गया है। अर्जिता दीवान को मुख्यालय से प्रभारी सहायक अभियंता, जोन-7 भेजा गया है। वहीं योगेन्द्र साहु को जोन-8 से मुख्यालय की योजना शाखा, 15वें वित्त एवं लोक कर्म विभाग में पदस्थ किया गया है।

रेत के अवैध परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, 7 वाहन जब्त

पिपरदा, पीथमपुर और चांपा के हसदेव नदी क्षेत्र में कार्रवाई, एक हाईवा और 6 ट्रैक्टर जब्त

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जांजगीर-चांपा जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में खनिज विभाग की टीम ने पिपरदा, पुछेली, पीथमपुर, हाथनेवरा और चांपा सहित विभिन्न क्षेत्रों में औचक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त पाए गए एक हाईवा और 6 ट्रैक्टर सहित कुल 7 वाहनों



को जब्त किया गया।

खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान ग्राम पिपरदा से एक हाईवा, पीथमपुर से 3 ट्रैक्टर तथा चांपा के हसदेव नदी क्षेत्र से 3 ट्रैक्टर रेत का अवैध परिवहन करते पाए गए। सभी 7 वाहनों को खनिज नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए जब्त किया गया है। जब्त वाहनों को पुलिस थाना चांपा एवं कलेक्टोरेट परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। दर्ज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री महोबे ने अधिकारियों को जिले में रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सतत निगरानी रखने तथा अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध जांच एवं कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com